साप्ताहिक
वर्ष-1 अंक-43, पृष्ठ-12
औरैया, उत्तर-प्रदेश
बुधवार-22 सितंबर - 28 सितंबर-2021
मूल्य-2 रुपए

तेजस ख़बर

WWW.TEJASKHABAR.COM

पंजाब में कांग्रेस का आत्मघाती कदम 06 गुरुनानक देव ने बदला सामाजिक ताना-बाना 10

संदिग्धावस्था में नरेंद्र गिरि का निधन, संतों में आक्रोश, सीबीआई जांच हो

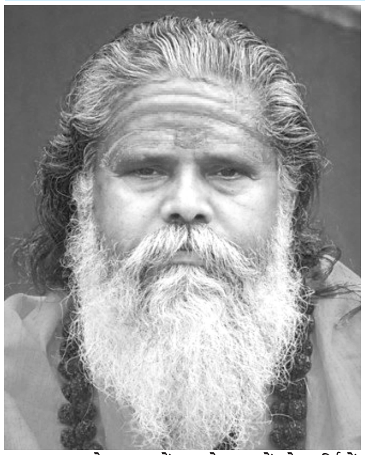

- अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष का शव मठ में मिला
- पीएम मोदी व योगी आदित्यनाथ ने जताया शोक
- प्रमुख शिष्य आनंद गिरि हिरासत में
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले कोई दोषी नहीं बचेगा
- पोस्टमार्टम के बाद संत परंपरा के अनुसार आज होगी समाधि

प्रयागराज। देश भर में अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि का संदिग्धावस्था में सोमवार शाम निधन हो गया। उनका शव बाघंबरी गद्दी मठ के एक कमरे में पंखे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट के अनुसार महंत नरेंद्र गिरि आहत थे और उन्होंने सम्मान को आघात लगने की बात कही है। डहग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीमों ने पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों की मौजूदगी में जांच पड़ताल की। इस मामले में उनके एक शिष्य समय कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

नरेंद्र गिरि के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने संत समाज की अनेक धाराओं को एक साथ जोड़ने में बड़ी भूमि. का निभाई। श्रद्धांजलि देने प्रयागराज पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं, कोई भी दोषी नहीं बचेगा। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि महंत नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में उनके शिष्य आनंद गिरि को उत्तराखंड पुलिस ने हरिद्वार से हिरासत में लिया है।

बंधवा स्थित हनुमान मंदिर के व्यवस्थापक अमर गिरी की तरफ से सोमवार देर रात दी गई तहरीर के आधार पर नरेंद्र गिरि के शिष्य आनंद गिरि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाघंबरी मठ में पहुंचकर महंत नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री वहां साधु संतों से मिले और बातचीत की। उन्होंने नरेंद्र गिरी के निधन को संत समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि 5 सदस्यीय टीम की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम होगा आज पंचक है, इसलिए कल (बुधवार को) पोस्टमार्टम होगा। पोस्टमार्टम के बाद कल ही समाधि दी जाएगी।

सुसाइड नोट मिलने के मामले में अखाड़ा परिषद के सेवादारों और मठ के शिष्यों का कहना है कि महंत नरेंद्र गिरि स्वयं कभी कुछ नहीं लिखते थे। वह मटके किसी शिष्या सेवादार से ही लिखवा कर अपने हस्ताक्षर करते थे यह उन्होंने कभी कुछ लिखा होगा तो 3 या 4 लाइन से अधिक कुछ नहीं लिखा ऐसे में आठ पन्ने का सुसाइड नोट अपने आप में एक रहस्य और इसकी जांच होनी चाहिए।

ज्योतिष और द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष की संदिग्ध मौत पर दुख प्रकट करते हुए जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि श्री गिरि के निधन से देश और धर्म की बड़ी क्षति हुई है। हमारे और उनके बीच मधुर संबंध थे। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा ने मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

महंत नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि देने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से नरेंद्र गिरि मामले की जांच कराए जाने की मांग की। मंगलवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य कैबिनेट मंत्री नंद कुमार गुप्ता, कानून मंत्री बृजेश पाठक, सांसद रीता बहुगुणा जोशी, सांसद केसरी देवी पटेल ने भी नरेंद्र गिरि के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दी।

नरेंद्र गिरि और आनंद गिरी के बीच थी अनबन

बता दें कि बाघंबरी गद्दी मठ की अरबों रुपए की संपत्ति को लेकर भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि और उनके शिष्य आनंद गिरि के बीच इसी साल विवाद खुलकर सामने आया था। मठ की अरबों रुपए की संपत्ति प्रयागराज में है। इसके अलावा नोएडा में मठ की कई एकड़ जमीन बताई जाती है। मठ और संगम स्थित हनुमान मंदिर से भी करोड़ों रुपए की आय होती है। दोनों के बीच संपत्ति विवाद को लेकर काफी समय से अनबन चल रही थी।

दीपावली पर कानपुर आगरा को मिल सकती मेट्रो की सौगात

नई दिल्ली। एल्स्टॉम ने उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) को कानपुर मेट्रो के लिए पहला ट्रेनसेट सौंप दिया है। कोशिश की जा रही है कि दीपावली से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कानपुर आगरा के लोगों को मेट्रो की सौगात दिला दी जाए।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा यूपीएमआरसी के एमडी कुमार केशव और एल्स्टॉम के एमडी एलेन स्पोर की उपस्थिति में गुजरात के सावली में स्थित एल्स्टॉम की रोलिंग स्टॉक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में यह ट्रेनसेट सौंपा गया। इन मेट्रो ट्रेनों का निर्माण सावली संयंत्र में पूरी तरह से स्वदेशी ढंग से किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं कानपुर के लिए पहली मेट्रो ट्रेन का वर्चुअल तरीके से अनावरण कर रहा हूं। इस अवसर पर मैं एल्स्टॉम और यूपीएमआरसी को उनकी मौजूदा मेट्रो परियोजना के तेजी से निष्पादन के लिए बधाईयां देना चाहता हूं। कानपुर और आगरा के अलावा, हम गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी और मेरठ जैसे शहरों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन के लिए उन्नत मेट्रो सर्विस लाने और निकट भविष्य में कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए तत्पर हैं।"

एल्स्टॉम ने 29 जनवरी 2021 को बाम्बार्डियर ट्रांसपोर्टेशन (बीटी) का अधिग्रहण पूरा कर लिया था। इसके बाद एल्स्टॉम कानपुर और आगरा के मेट्रो रोलिंग स्टॉक्स और सिग्नलिंग की डिलीवरी के लिए जिम्मेदार होगा। इसमें बीटी टेक्नोलॉजीज के दायरे में आने वाली सारी तकनीक शामिल होगी। आगरा-कानपुर मेट्रो प्रोजेक्ट की कुल अनुमानित लागत लगभग 2051 करोड़ होगी। कंपनी की परियोजना के दायरे में मेट्रो प्रोजेक्ट में 201 मेट्रो कार शामिल होंगी। इसके साथ एक एडवांस्ड सिग्नलिंग सोल्यूशन भी होगा।

असंभव से संभावनाओं के दरवाज़े खोलने का नाम नरेंद्र मोदी

▪ मोदी काम और उसकी ब्रांडिंग पूरी ताकत से करते हैं ▪ उनके लिए पालिटिक्स का मतलब सिर्फ पावर

नई दिल्ली। मौजूदा वक्त में देश के सबसे लोकप्रिय नेता माने जाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कहानी को कहीं से भी शुरू करें, चाहे वह बचपन में स्कूल छोड़कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में जाने की बात हो या वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेचना, या 1995 में गुजरात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से बाहर हो जाना, या 2001 में मुख्यमंत्री बनना या फिर मई 2013 की वह 'ड्रामा और सस्पेंस' से भरी गोवा में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक, या 2014 और 2019 में लगातार दो बार पूरे बहुमत के साथ केंद्र में सरकार बनाना, ये सब घटनाएं असंभव से संभावनाओं के दरवाज़े खोलने की कहानी लगती हैं।

वरिष्ठ पत्रकार के जी सुरेश नरेंद्र मोदी को नए तरीके से परिभाषित करते हैं, उनके मुताबिक श्री मोदी ने उन सब मान्यताओं को तोड़ दिया, जिसके लिए कहा है कि दिल्ली में "गॉडफादर" के बिना किसी बाहर से आये नेता का काम नहीं चल सकता। श्री मोदी दिल्ली से राजनेता नहीं थे और न ही 'दिल्ली क्लब' के राजनेता रहे। न ही उन्होंने यह कोशिश की कि वह दिल्ली क्लब के राजनेता बनें, उनमें उनकी स्वीकार्यता बने। श्री मोदी ने उनके सामने अपनी स्वीकार्यता की जरूरत ही नहीं समझी और न ही कोशिश की।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सहयोगी रहे शक्ति सिन्हा कहते हैं कि श्री मोदी की ताक़त है, उनकी सोच, वह ट्रांसफॉर्म करने में भरोसा रखते हैं। श्री मोदी में मैनेजमेंट स्किल बहुत ज़बर्दस्त है, इसलिए वह संसाधनों को बेहतर तरीके से मैनेज करते हैं, जिससे ज़्यादा फायदा मिल पाता है। श्री सिन्हा का मानना है कि श्री मोदी को हिंदुस्तान की न केवल ज़मीनी हक़ीक़त पता है, बल्कि उसकी परेशानियों से निपटने का प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव भी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव रहे गोविंदाचार्य कहते हैं, "मोदी काम भी पूरी ताक़त के साथ करते हैं और उसकी मार्केटिंग भी। वह रणनीति बनाकर और लक्ष्य साध कर काम करते हैं। मोदी पालिटिक्स का मतलब सिर्फ़ पावर समझते हैं और पावर के लिए जरूरी है, चुनावों में जीत और चुनावों में जीत बेहतर इमेज से होती है। यानी मोदी समझते हैं कि चुनाव में आपकी इमेज, आपका संदेश जनता के दिल तक उतरना चाहिए और अगर एक बार जनता को आपकी बात गले उतर गई, फिर वह आपको नेता बना देती है, फिर चुनाव जीतना मुश्किल काम नहीं।"

श्री मोदी को लंबे समय से करीब से जानने वाले एक वरिष्ठ पत्रकार कहते हैं कि मोदी टेक्नॉलॉजी का बेहतर इस्तेमाल करना जानते हैं। जैसे, उन्होंने जन-धन योजना शुरू करके किया, इसका फ़ायदा यह है कि आज सरकार की करीब पांच सौ योजनाएं ऐसी हैं, जिनका फ़ायदा सीधे आम आदमी को होता है। उन योजनाओं का पैसा उसके खाते में सीधा जाता है, कोई बिचौलिया नहीं होता और उसके पैसे के साथ गड़बड़ी नहीं होती और यह तबका सीधा श्री मोदी से जुड़ गया है जिसका अंदाज़ा दिल्ली में बैठे बड़े-बड़े लोगों को नहीं हो रहा।

सरकार के कामकाज को लेकर वरिष्ठ पत्रकार अच्युतानंद मिश्र मानते हैं, श्री मोदी ने देश को विकास का नक्शा दिया है, लेकिन ये दीर्घकालीन योजना है। अगले दस-बीस सालों में इसका फ़र्क दिखाई देगा।

श्री मोदी का जन्म वडनगर की तंग गलियों में 17 सितंबर 1950 हुआ था। श्री दामोदर दास मोदी और श्रीमती हीरा बा की तीसरी संतान हैं नरेंद्र मोदी। उनके पिता परंपरागत तरीके से वनस्पति तेलों का निकालने का काम करते थे। उनके परिवार के आठ लोग एक मंज़िल के तीन कमरों के मकान में रहते थे और उनका बचपन तंगहाली में बीता था।

सरकार ने छह महीने बढ़ाई आधार से पैन को जोड़ने की अवधि

नई दिल्ली । आधार से पैन को जोड़ने की अवधि छह महीने बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी गई है। इसके साथ इस कानून का पालन नहीं करने पर लगने वाले जुर्माना भी अब 31 मार्च 2022 तक नहीं लगेगा। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि करदाताओं द्वारा की जा रही चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आधार और पैन को जोड़ने की अवधि 30 सितंबर 2021 थी जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दिया गया है। इस कानून के तहत आधार और पैन को नहीं जोड़ने पर जुर्माने का प्रावधान है। इसके मद्देनजर इसका पालन नहीं करने वाले पर यह जुर्माना भी अब 31 मार्च 2022 तक नहीं लगेगा।

शपथ लेने के बाद पंजाब के सीएम चन्नी ने किसानों के बिजली, पानी के बिल किए माफ

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने पदभार संभालने के बाद किसानों और आम लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। चन्नी ने शपथ ग्रहण करने के बाद अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम किसानों के पानी और बिजली के बिल माफ करेंगे । पंजाब के सीएम ने कहा, 'पंजाब सरकार किसानों के साथ खड़ी है । हम केंद्र से तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की अपील करते हैं। अगर ये तीनों कानून वापस नहीं लिए गए तो किसानी खत्म हो जाएगी और पंजाब के हर परिवार पर फर्क पड़ेगा । उन्होंने इसके साथ ही कि किसानों पर अगर किसी तरह की आंच आई तो वह अपनी गर्दन पेश कर देंगे। चंडीगढ़ में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चन्नी भावुक हो गए । उन्होंने खुद के गरीब परिवार में पैदा होने का जिक्र करते हुए कहा कि वह इस बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस ने एक आम आदमी को मुख्यमंत्री बना दिया है । उन्होंने कहा कि पार्टी सुप्रीम है। सीएम या एमएलए सुप्रीम नहीं है । उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस की विचारधारा पर चलेगी, जो सबको साथ लेकर चलने की है. उन्होंने कहा कि जाति या संप्रदाय के नाम पर कोई तोड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा, 'पंजाब की एकता, अखंडता और भाईचारा को कायम रखना है। हम सबको मिलकर रहना है। पंजाब को आगे बढ़ाना है।

चन्नी ने यह भी कहा कि रेत माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और सभी मुद्दों का समाधान होगा। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व की ओर से तय 18 सूत्री कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा

कि वह राज्य के लोगों का भरोसा दिलाते हैं कि आने वाले दिनों में सभी मसलों का हल होगा। नवनियुक्त सीएम ने कहा, 'मैं पंजाब के आम लोगों की आवाज बनूंगा। कैप्टन अमरिंदर सिंह पर चन्नी ने कहा 'वह हमारे नेता हैं। उन्होंने कहा कि कैप्टन सरकार के अधूरे काम हम पूरे करेंगे ।

पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दिया इस्तीफा, दिखाए बगावती तेवर

चंडीगढ़ । कांग्रेस की पंजाब इकाई में फिर तेज हुई तनातनी के बीच पार्टी आलाकमान के निर्देश पर शनिवार शाम बुलाई गई विधायक दल की बैठक से पहले मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने इस्तीफा देने का फैसला किया। वहीं अमरिंदर सिंह ने पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें अपना और अपने मंत्रिपरिषद का इस्तीफा सौंपा। इससे पहले, कई विधायकों ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को हटाने की मांग करते हुए सोनिया गांधी को पत्र भी लिखा था।

इस्तीफा सौंपने के बाद उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों मे तीसरी बार ये हो रहा है कि विधायकों को दिल्ली में बुलाया गया। मैं समझता हूं कि अगर मेरे ऊपर कोई संदेह है, मैं सरकार चला नहीं सका, जिस तरीके से बात हुई है मैं अपमानित महसूस कर रहा हूं। अमरिंदर ने कहा कि 'मैंने सुबह कांग्रेस अध्यक्ष से बात की थी और मैंने उन्हें कह दिया था कि मैं इस्तीफा दे रहा हूं। मैंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें(कांग्रेस अध्यक्ष) जिसपर विश्वास है उसे मुख्यमंत्री बनाए।

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर समर्थक विधायकों के

साथ बैठक में इस्तीफा देने का फैसला किया। वहीं कैप्टन अमरिंदर सिंह के बेटे रनिंदर सिंह का ट्वीट- पिता सीएम पद से इस्तीफा देंगे। अमरिंदर सिंह द्वारा जोरदार और स्पष्ट 'विद्रोह' का संकेत देते हुए, उनके प्रेस सचिव ने शनिवार को कहा कि जो धोखा देकर आपको 'सरप्राइज' करते हैं, उन्हें सदमे के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसी खबरें हैं कि कांग्रेस आलाकमान अमरिंदर से इस्तीफा मांग सकती है।

मुख्यमंत्री और आलाकमान के बीच जारी तनातनी के बारे में बात किए बिना प्रेस सचिव विमल सुंबली ने ट्वीट कर बताया, 'अगर लोग आपको विश्वासघात से 'आश्चर्यचकित' करते हैं, तो आपको उचित प्रतिशोध के साथ उन्हें सदमा देने का अधिकार है।'इस बीच, विधायक दल की बैठक के लिए कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक अजय माकन एवं हरीश चौधरी तथा पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश रावत चंडीगढ़ पहुंच गए हैं।

चंडीगढ़ पहुंचने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने उनका स्वागत किया।कुछ खबरों में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस नेतृत्व ने अमरिंदर सिंह से इस्तीफा देने के लिए कहा था, हालांकि कांग्रेस सूत्रों ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार किया है। सूत्रों के मुताबिक, अमरिंदर सिंह सोनिया से बात की और बार-बार हो रहे 'अपमान' को लेकर नाराजगी और नाखुशी जताई। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि 50 से अधिक विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाए। सूत्रों का यह भी कहना है कि यह संकट 'गंभीर' है क्योंकि बहुत सारे विधायकों ने विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री को बदलने की मांग की है। विधायकों ने अपने पत्र में सोनिया गांधी ने विधायक दल की बैठक बुलाने की मांग की। पार्टी आलाकमान ने शनिवार शाम बैठक बुलाने का निर्देश दिया और वरिष्ठ नेताओं - अजय माकन और हरीश चौधरी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया। कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी हरीश रावत भी विधायक दल की बैठक में मौजूद रहेंगे। विधायक दल की इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी ने पार्टी की राज्य इकाई में उलझी हुई गुत्थी को सुलझाने का जो रास्ता अपनाया है, उसने न सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है, बल्कि अकाली दल की बुनियाद हिल गई है। उन्होंने ट्वीट किया, "वाह राहुल गांधी, आपने बेहद उलझी हुई गुत्थी के पंजाबी संस्करण के समाधान का रास्ता निकाला है। आश्चर्यजनक ढंग से नेतृत्व के इस साहसिक फैसले ने न सिर्फ पंजाब कांग्रेस के झंझट को खत्म किया है, बल्कि इसने कार्यकर्ताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अकालियों की बुनियाद हिला दी है।" विधायक दल की यह बैठक मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच पिछले कई महीनों से चल रही तनातनी की पृष्ठभूमि में हो रही है।

भूपेंद्र पटेल की नई कैबिनेट, 24 मंत्रियों ने ली शपथ, पटेल समाज का दबदबा

अहमदाबाद। गुजरात में आगामी चुनावों के मद्देनजर नए मुख्यमंत्री चेहरे के साथ ही राज्य कैबिनेट भी पूरी तरह से बदल दी गई है। नए सीएम भूपेंद्र पटेल की कैबिनेट में 24 नए चेहरों ने आज मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 10 कैबिनेट मंत्रियों और 14 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई, जिनमें पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री शामिल हैं।

बीजेपी के 'नो-रिपीट' यानी पूर्ववर्ती सरकार के एक भी मंत्री को दोबारा मंत्री पद नहीं देने के फार्मूले के तहत विजय रूपाणी सरकार के किसी भी मंत्री को भूपेंद्र पटेल सरकार कैबिनेट में जगह नहीं दी गई। नई कैबिनेट की आज शाम 4:30 बजे ही पहली बैठक होनी। बैठक में मंत्री के विभाग के बंटवारे पर फैसला होना संभव है।

गुजरात की नई कैबिनेट की लिस्ट

1. राजेंद्र त्रिवेदी -रावपुरा
2. जितेंद्र वघानी-भावनगर
3. ऋषिकेश पटेल-विसनगर
4. पूर्णश मोदी- सूरत-पश्चिम
5. राघव पटेल-जामनगर ग्राम्य
6. उदय सिंह चव्हाण -मेहमदाबाद
7. मोहनलाल देसाई-पारडी
8. किरीट राणा-लिंबड़
9. गणेश पटेल-गणदेवी
10. प्रदीप परमार-असारवा
11. हर्ष सांघवी-मजुरा
12. जगदीश ईश्वर-निकोल
13. बृजेश मेरजा-मोरबी
14. जीतू चौधरी-कपराड़

15. मनीषा वकील-वडोदरा
16. मुकेश पटेल-ओलपाड
17. निमिषा बेन-मोरवा हड़फ
18. अरविंद रैयाणी-राजकोट-पूर्व
19. कुबेर ढिंडोर-संतरामपुर
20. कीर्ति वाघेला-कांकरेज
21. गजेंद्र सिंह परमार-प्रांतिज
22. राघव मकवाणा-महुवा
23. विनोद मरोडिया-कतारगाम
24. देवा भाई मालव-केशोद

राज्य के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार को शपथ ग्रहण करने वाले भूपेंद्र पटेल राजभवन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व सीएम विजय रूपाणी के साथ मौजूद थे। अब तक विधानसभा स्पीकर रहे राजेंद्र त्रिवेदी ने सबसे पहले शपथ ली।

महंत नरेंद्र गिरि की मौत की सीबीआई की जांच मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

प्रयागराज । अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (एबीएपी) के प्रमुख महंत नरेंद्र गिरि की रहस्यमयी मौत की सीबीआई जांच की मांग को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। याचिका अधिवक्ता सुनील चौधरी ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि महंत सोमवार शाम को जिन परिस्थितियों में मृत पाए गए, वे बेहद संदिग्ध और रहस्यमयी हैं।अखाड़े के कुछ सदस्यों ने महंत नरेंद्र गिरि द्वारा कथित रूप से लिखे गए पांच पन्नों के सुसाइड लेटर पर संदेह जताया है। उधर आम आदमी पार्टी ने भी मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है ।

उनके शिष्यों में से एक महंत आनंद गिरि, जो एक प्रमुख संदिग्ध है और जिसे हरिद्वार से हिरासत में लिया गया है, उसने भी कहा कि महंत ने पत्र में एक या दो वाक्य से आगे कभी कुछ नहीं लिखा था और यह बहुत असंभव था कि वह इतनी लंबा सुसाइड नोट लिखेंगे। शक की बात यह भी है कि सुसाइड नोट एक वसीयत की तरह है, जिसमें महंत ने स्पष्ट रूप से अपने शिष्यों के लिए काम और जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया है। संत भी कह रहे हैं कि नरेंद्र गिरि कभी आत्महत्या नहीं कर सकते थे। पुलिस ने अब तक तीन लोगों आनंद गिरि, हनुमान मंदिर के पुजारी आद्या तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सुसाइड नोट में इनके नाम थे।

गुमनाम शहीदों का लिखा जाएगा इतिहास : शाह

जबलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में ऐसे कई बलिदानी हैं, जिन्हें इतिहास में स्थान नहीं मिला। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हम ऐसे अमर शहीदों के इतिहास को पुनर्जीवित करेंगे। गृहमंत्री शाह अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर जनजातीय नायकों के पुण्य स्मरण का यहां गैरीसन ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमर शहीद शंकर शाह तथा रघुनाथ शाह जैसे वीरों के बदौलत ही हम आजादी की सांस ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि हम ऐसे वीरों को नमन करेंगे, जिन्हे इतिहास में स्थान नहीं मिला है। गुमनाम शहीदों का इतिहास फिर लिखा जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 1857 से 1947 तक जितने भी गुमनाम वीर हैं, उनके नाम को हम पुनर्जीवित करेंगे। जितने बलिदान हमारे जनजातीय महानायकों ने दिए उतने शायद ही किसी ने किए हैं। बिरसा मुंडा तथा रानी दुर्गावती को कौन भूल सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक आदिवासी ब्लॉक में एक एकलव्य स्कूल स्थापित किया जाएगा। जनजातिय वर्ग के लिए अगामी 5 साल में 51 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। जनजातिय नेताओं के बलिदान को याद रखने के लिए 200 करोड़ की लागत से संग्रहालयों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मणिपुर, मिजोरम और मध्यप्रदेश में बनाए जाएंगे।

SCHOOL MANAGEMENT SOFTWARE

Technologies Expert

CALL : 9335167801

मिलावटी खून के कारोबार में संलिप्त सैफई मेडिकल कालेज के डॉक्टर समेत दो गिरफ्तार

■ गिरफ्तार प्रोफेसर को सस्पेंड किया गया, ब्लड बैंक में नया प्रभारी नियुक्त ■ सैफई में ब्लड बैंक के सभी अभिलेख सील

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मिलावटी खून का कारोबार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सैफई मेडिकल कॉलेज के एक चिकित्सक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार सुशांत गोल्फ सिटी से एसटीएफ ने सैफई मेडिकल कालेज में कार्यरत सहायक प्रोफेसर डा अभय प्रताप सिंह और उसके साथी अभिषेक पाठक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कारोबारियों के कब्जे से 100 यूनिट मिलावटी रक्त के पाउच मिले हैं। उन्होंने बताया कि मिलावटी खून के कारोबार के तार पंजाब,राजस्थान,हरियाणा समेत कई राज्यों में फैलें है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर रही है। इस सिलसिले में कई ब्लड बैंक और पैथोलाजी जांच के दायरे में है।

उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई के असिस्टेंट प्रोफेसर व ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अभय प्रताप सिंह को लखनऊ में एसटीएफ द्वारा खून की कालाबाजारी में पकड़े जाने के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। इसी के साथ ब्लड बैंक के सारे अभिलेखों को सील कर पैथोलहृजी एंड ब्लड बैंक विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रूपक अग्रवाल को ब्लड बैंक का नया प्रभारी बनाया गया है। एसटीएफ ने विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ उदय प्रताप सिंह व उसके एक साथी को गुरुवार को लखनऊ के कई अस्पतालों में खून की कालाबाजारी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था । इसकी जानकारी मिलने पर कुलपति डॉ रमाकांत यादव ने एक कमेटी बनाकर अभय प्रताप के बारे में आई मीडिया रिपोर्टों की पड़ताल के साथ कार्यवाही के बारे में राय मांगी। कमेटी की राय आने के बाद शुक्रवार को अगर प्रताप सिंह को सस्पेंड कर दिया गया। कुलपति

डहृ रमाकांत यादव के अनुसार डॉक्टर अभय प्रताप सिंह गुरुवार को बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थे, इसकी जांच की जा रही है और उनको नोटिस जारी किया गया है इसके पहले भी वह इसी तरह अनुपस्थित रहे हैं, इसकी भी जांच हो रही है। ब्लड बैंक के सभी अभिलेखों को सील कर दिया गया है और एक कमेटी बनाकर विश्वविद्यालय के स्तर से छानबीन शुरू कर दी गई है।

1 महीने के अंदर इटावा में दूसरी बार मालगाड़ी पलटी, एक की गई जान, 44 डिब्बे डिरेल

इटावा। जिले में सोमवार शाम एक माह के अंदर दूसरी बात डेडीकेटेड रेल फ्रेट कॉरिडोर पर माल गाड़ी पलट गई। सोमवार को हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत होने की जानकारी मौके पर मौजूद लोगों से मिल रही है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि दिल्ली से कानपुर जा रही मालगाड़ी वैदपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव मोहल्ला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रेलवे ट्रैक के किनारे बकरियां चरा रहे लोग मालगाड़ी की चपेट में आ गए। हादसे की सूचना पर जिला प्रशासन और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं।

मालगाड़ी दिल्ली से कानपुर जा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। एसपी ग्रामीण ने बताया कि रेस्क्यू कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज

- ■ 58 डिब्बों की मालगाड़ी के 44 डिब्बे डिरेल हुए
- ■ इटावा में महोला के पास मालगाड़ी पलटी
- ■ दिल्ली से कानपुर जा रही मालगाड़ी पलटी
- ■ डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर देर शाम हुई घटना
- ■ रेलवे और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे
- ■ 23 अगस्त को भी मालगाड़ी के 17 डिब्बे बेपटरी हो गए थे

दिया गया है। मालगाड़ी के 44 डिब्बे डिरेल हुए हैं। 58 डिब्बों की माल गाड़ी थी, जिसमें पत्थर लदा हुआ था।

मालगाड़ी में लोड गिट्टी पूरे रेलवे ट्रैक पर बिखर गई। ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई है। फ्रेट कॉरिडोर पर ट्रेनों की आवाजाही ठप्प पड़ गई है। बता दें कि इससे पहले 23 अगस्त की शाम इटावा में जसवंत नगर के भारद्वाज को इलाके में मालगाड़ी के 17 डिब्बे बेपटरी होकर एक दूसरे के ऊपर चढ़कर पलट गए थे। इस घटना में नवनिर्मित फ्रेट कॉरिडोर की करीब 500 मीटर रेल लाइन तथा विद्युत कर्षण वितरण प्रणाली की ओएचई लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। करीब 3 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर ट्रेनों का संचालन बहाल किया जा सका था।

विकास और सुशासन की मिसाल बना उत्तर प्रदेश रू योगी

2012 से 2017 के बीच के कार्यकाल में हर तीसरे-चौथे दिन दंगा होता था

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि 2017 से पहले अपराध और पिछड़ेपन का शिकार माना जाने वाले उत्तर प्रदेश पिछले साढ़े चार साल के दौरान देश में विकास और सुशासन की मिसाल बन चुका है।

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को लोकभवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि साढ़े चार साल पहले मूलभूत सुविधाओं का सवर्था अभाव था। अपराधियों के डर से निवेशक यहां आने से कतराते थे। केंद्र सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता के साथ नहीं होने से गरीब और किसान बदहाल हालत में थे। प्रदेश आये दिन सांप्रदायिक दंगो की आग में झुलसता रहता था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने सत्ता में आने के बाद संगठित अपराध पर नकेल कसी। माफियाओं की संपत्ति को जब्त किया गया और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई। उद्योग धंधों लगाने पर आ रही जटिलताओं का समाधान किया गया जिसके चलते निवेशकों का रूझान प्रदेश की

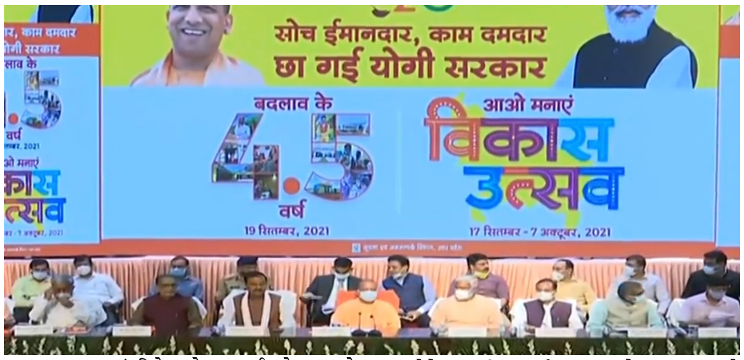

तरफ गया। यहां निवेश के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों के लिए सरकार ने केंद्र की मदद से सस्ते आवास उपलब्ध कराए जबकि बीज,खाद और कृषि उपकरणों में सब्सिडी के साथ ही किसानों की उनकी उपज का वाजिब मूल्य देकर उनकी आमदनी मे इजाफा किया गया। पिछले साढ़े चार सालों में प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ और अपराधियों के साथ माफियाओं पर भी लगाम लगाई गई।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रूपये के ऋण माफ किए। गन्ना किसानों को 1.44 लाख करोड़ से अधिक गन्ना मूल्य का भुगतान किया वहीं 476 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन किया गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य में दोगुनी वृद्धि कर किसानों के चेहरों की मुस्कान वापस लायी गई। सरकार ने 435 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न की खरीद की जिसके एवज में किसानों को 78 हजार करोड़ रूपये का भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को 2376 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति की गई। किसानों के लिए कई सिंचाई योजनाओं को आगे बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनकी सरकार ने कई अहम कदम उठाये है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत एक करोड़ 67 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया गया। प्रदेश के सभी 1535 थानों में पहली बार महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की जा रही है। बालिकाओं को स्नातक स्तर तक निशुल्क शिक्षा दी गई।

माफियाओं की अवैध ढंग से अर्जित 1866 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां जब्त की गईं। 2012 से 2017 के बीच के कार्यकाल में हर तीसरे-चौथे दिन दंगा होता था लेकिन पिछले साढ़े चार साल में कोई दंगा नहीं हुआ। यूपी में अब कानून का राज है। प्रदेश में पिछले साढ़े चार साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। पहले गुंडों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त था और अब अपराधियों की संपत्ति जब्त की जा रही हैं।

फर्जी रुप से शिक्षक भर्ती कराने के मामले सरगना समेत तीन गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति एवं साल्वर गिरोह एवं परीक्षा केंद्र का प्रबंधन व प्रतियोगी परीक्षाओं का रिजल्ट तैयार करने वाली कंपनी से सांठ-गांठ कर टीजीटी/पीजीटी में भर्ती कराने वाले गिरोह के सरगना समेत तीन लोगों को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफ प्रवक्ता ने बताया कि एसटीएफ ने सूचना मिलने पर फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति एंव साल्वर गिरोह , परीक्षा केन्द्र का मैनेजमेण्ट व प्रतियोगी परीक्षाओं का रिजल्ट तैयार करने वाली कम्पनी से सांठ-गांठ कर टीजीटी व पीजीटी शिक्षक भर्ती कराने वाले गिरोह का सरगना फिरोजाबाद निवासी शिक्षक राम निवास उर्फ राम भईया के अलावा गाजियाबाद डाटा साफ्ट कम्प्यूटर सर्विसेज प्रा०लि० का प्रोडक्शन मैनेजर गया बिहार निवासी संजय सिंह और आगरा निवासी देवरिया के बनकटा प्राइमरी स्कूल में तैनात फर्जी शिक्षक रविन्द्र कुमार उर्फ रवि को शुक्रवार सुबह लखनऊ के विभूतिखंड पिकप तिराहा से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से आठ मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों की चेक बुक,अन्य विभाग के कार्ड और कुछ मोहर,25 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ,परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय से सम्बन्धित प्राईमरी अध्यापक का सत्यापन फार्म-7 वर्क, राम निवास द्वारा हस्तलिखित व टाइपसुदा टीजीटी परीक्षा के 34 कन्डीडेट की सूची, टीजीटी परीक्षा से सम्बन्धित 26 कन्डीडेट की टाइपसुदा सूची, हिसाब किताब की डायरी-दो मीडियम व एक पॉकेट,खण्ड शिक्षाधिकारी द्वारा 26-01-2021 को जारी कारण बताओ नोटिस की मूल प्रति। सैलरी स्लिप संजय कुमार, एडमिट कार्ड मगध यूनिवर्सिटी बोधगया, बिहार-13 अदद मय परीक्षा फार्म, बिहार लोकसेवा आयोग उत्तर पुस्तिका, मगध यूनिवर्सिटी बोधगया, बिहार की सात मार्क शीटों के अलावा परीक्षा नियंत्रक प्रार्थना-पत्र बोधगया यूनिवर्सिटी अभ्यर्थी माला कुमारी, मगध यूनिवर्सिटी बोधगया के बड़ी संख्या में मार्क शीट स्टेटमेन्स और अन्य कागजात के अलावा ढ़ाई लाख की नकदी के अलावा खाते में फ्रीज कराई गई धनराशि 19,00,000 रुपए किए गए।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि देवरिया में विनय तिवारी व कुशीनगर मे मनीष यादव फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर प्राईमरी अध्यापक के रूप में तैनात हैं, जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुचित तरीके से अभ्यर्थियों को नियुक्त कराने का काम करते हैं। वर्ष 2016 में हुयी 15000 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती के लिए रामनिवास ने इन्हे अपने 15 कैडिडेट दिये थे व प्रति कैडिडेट 06 लाख की दर से 90 लाख रूपये भी दिए थे।

इसके सभी 15 कैंडिडेटो की देवरिया में इनके माध्यम से ज्वाइनिंग भी हो गयी लेकिन कुछ माह बाद उन्हें फर्जी रूप से नियुक्त बता कर निकाल दिया गया था, जिससे वे सभी रामनिवास पर पैसा वापसी का दबाव बनाने लगे।

प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2017 मे 68500 व वर्ष 2018 में 69000 प्राईमरी शिक्षको की भर्ती प्रक्रिया मे रामनिवास व रवीन्द्र ने अपने कैंडिडेट भर्ती कराने का पुनः प्रयास किया और अपने सभी कैंडिडेट भर्ती भी करा दिये। इन दोंनों वर्षो की प्राइमरी शिक्षको की चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित समस्त विवरण विभाग की बेवसाइट पर उपलब्ध था, जिसे कोई भी देख सकता था। बेवसाइट देखने से यह पता चला कि कई अभ्यर्थी ऐसे हैं,जिनका वर्ष 2017 व 2018 दोनों में चयन हुआ है तथा एक चयन प्रक्रिया मे उन्होंने अपनी ज्वाईनिंग दे दिया तथा दूसरी चयन प्रक्रिया का पद रिक्त हो गया। रिक्त पद से सम्बन्धित नाम, पता, मार्कशीट आदि नेट से डाउनलोड कर प्रिन्ट करा लिया तथा उक्त नाम पते वाले व्यक्ति का फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आई०डी० कार्ड व शैक्षिक दस्तावेज उसने अपने साथी नीरज जो प्राईमरी अध्यापक है तथा शिकोहाबाद मे तहसील तिराहे पर शिवम फोटो के नाम से दुकान चलाने वाले छोटू की मदद से तैयार करा लिया। उन्होंने बताय कि उक्त प्रपत्रों पर फोटोग्राफ अपने कैंडिडेट की चस्पा कराई जिसको प्राईमरी शिक्षक के रूप मे नियुक्त कराना था। इस प्रकार रामनिवास ने अपने साथी रवीन्द्र कुमार की मदद से जालौन व हरदोई जिले में 09-09, इटावा में 10, अमेठी मे 05, गोण्डा , बलरामपुर,औरैया में एक-एक, श्रावस्ती मे 08 तथा सीतापुर, हाथरस व प्रयागराज जिलो में 100 से अधिक प्राथमिक शिक्षकों को फर्जी रूप से नियुक्त कराया और करोड़ो रुपए कमाए ।

एकजुटता से हिंदी को बना सकते विश्व की पहली भाषा

■एनटीपीसी में हिंदी पखवाड़े का आयोजन ■वर्ष में एक बार नहीं, प्रति दिन हिंदी दिवस मनाएं ■विश्व के कोने-कोने में हिंदी का परचम लहराएं

औरैया। हिंदी एक समृद्ध भाषा है, जिसका मानव सभ्यता को परिमार्जित करने में अहम योगदान है। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत दिबियापुर स्थित औरैया गैस पावर स्टेशन एनटीपीसी में आयोजित कार्यक्रम में मातृभाषा व हमारी पहचान, विचारों के आदान-प्रदान के सशक्त माध्यम हिंदी को प्रचारित और प्रसारित करने का संकल्प लिया गया।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम एवं सम्मेलन आयोजित किए गए। औरैया परियोजना के कर्मचारी विकास केंद्र में राजभाषा अनुभाग द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इससे पूर्व परियोजना में बीते 1 सितंबर को हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ हुआ था । समारोह में प्रबंधक (मानव संसाधन व प्रभारी राजभाषा) ने हिंदी के महत्व को दर्शाते हुए प्रगति-पथ पर अग्रसर हो रही हिंदी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अन्य विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने राजभाषा हिंदी से संबंधित इस अवसर पर कविता, गीत एवं अपने विचार प्रस्तुत किए। इस मौके पर औरैया परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक अनिल कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अगर हम सभी भारतीय एकजुट हो जाएं तो हिंदी को विश्व की प्रथम भाषा बनने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही कहा कि हिंदी के प्रति अभी हमारा दायित्व पूर्ण नहीं हुआ है, हमें हिंदी को और अधिक सशक्त बनाने हेतु अत्यधिक प्रयास करना होगा ताकि राजभाषा हिंदी राष्ट्रभाषा की पदवी पर आसीन हो सके। हिंदी पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों, उनके परिवारजनों के लिए आयोजित स्वरचित हिंदी कविता, हिंदी कहानी, हिंदी नारा एवं हिंदी निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य महाप्रबंधक ने पुरस्कार प्रदान किए।

एनटीपीसी में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी के प्रचार प्रसार का संकल्प लेते कार्मिक

औरैया में धरे गए बावरिया गैंग के सदस्य, भारी मात्रा में सोने चांदी के जेवरात बरामद

औरैया। यूपी के औरैया जिले में पुलिस ने बावरिया गैंग के 7 सदस्यों को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे चोरी के जेवरात बेचने की फिराक में थे। उनके पास से भारी मात्रा में सोने चांदी के जेवरात, नगदी ,अवैध असलहे तथा एक कार बरामद हुई है। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों ने हाल ही में 16 सितंबर को इटावा के बकेवर कस्बे में ज्वेलर्स के यहां से तथा 18 सितंबर को कानपुर देहात के मंगलपुर में चोरी की थी।

पुलिस मुख्यालय ककोर में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अपर्णा गौतम ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक थाना बिधूना शशांक राजपूत के नेतृत्व में बिधूना पुलिस टीम ने गयादीन डिग्री कॉलेज के पास से गिरोह के सात सदस्यों को घेराबंदी कर दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों में हाकिम सिंह, रमेश व नेतराम कादरचौक बदायूं के रहने वाले हैं। जबकि दो बदमाश बिधूना और दो एरवाकटरा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इनके पास से 2 किलो 350 ग्राम सफेद धातु तथा 80 ग्राम पीली धातु के आभूषण मिले हैं। दो तमंचे ,कारतूस, कटर,आरी, रेती तथा एक ईको कार की बरामदगी भी हुई है।

दबोचे गए गिरोह के सदस्य

सुखदेव पुत्र मांगेलाल नगला मारवाड़ी एरवाकटरा, औरैया
अभिषेक सिंह उर्फ सोनू कुकरकाट एरवाकटरा, औरैया
बृजेश कुमार पुत्र मांगीलाल आदर्श नगर कस्बा बिधूना औरैया
मुकेश कुमार पुत्र सुखदेव आदर्श नगर बिधूना औरैया
हाकिम सिंह पुत्र किशनलाल कादरचौक बदायूं
नेतराम पुत्र रामस्वरूप कादरचौक बदायूं
रमेश पुत्र स्वर्गीय बाबूराम कादरचौक बदायूं

पुलिस टीम में यह रहे शामिल

प्रभारी निरीक्षक शशांक राजपूत बिधूना कोतवाली
एसएसआइ राजेश कुमार सिंह
एसआइ अमर सिंह
एसआइ लोकेश कुमार

आफत की बारिश, दीवाल गिरने से वृद्ध किसान की मौत

औरैया सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बाकरपुर में बरसात के कारण गिरी दीवाल

औरैया। जिले में दो दिन तक लगातार हुई बारिश कई लोगों पर भारी पड़ गई। कोतवाली औरैया क्षेत्र के ग्राम बाकरपुर बोहरा में गुरुवार की दोपहर एक मकान की दीवार गिरने से एक किसान मलबे में दब गया , जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों एवं परिजनों ने मलवा हटाकर उसे बाहर निकाला और तुरंत जिला अस्पताल ले आये , जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बाकरपुर बोहरा निवासी रघुवीर दयाल 53 वर्ष पुत्र वृंदावन गुरुवार दोपहर अपने खेतों की ओर से घर जा रहा था , जैसे ही वह गांव की गली में पहुंचा , उसी समय गांव के ही मुन्ना बाबू उर्फ अवध बिहारी के मकान की कच्ची दीवार भरभरा कर गिर पड़ी। गली सकरी होने के कारण उपरोक्त किसान पीछे पक्की दीवार से टकरा गया , जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई। यह नजारा देखकर ग्रामीण एवं परिजन दौड़ पड़े , और पक्की दीवाल से चिपके होने के कारण उन्होंने गर्दन तक दवे किसान को मलवा हटाकर बाहर निकाला। इसके बाद परिजन उन्हें तुरंत 50 शैय्या युक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय ले आये ,जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जाता है कि मृतक छह भाइयों में चौथे नंबर का है। मृतक के पांच पुत्र व दो पुत्रियां हैं , जिनमें से दोनों पुत्रियों तथा एक पुत्र की शादी हो चुकी है। सबसे छोटा पुत्र करीब 15 वर्ष का है।

सीएम ने जिला पंचायत से बनी 7 सड़कों का किया लोकार्पण

औरैया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअली जिला पंचायत द्वारा निर्मित सात संपर्क मार्गों का

लोकार्पण किया । विकास खंड एरवाकटरा के नगला दौलत से नगला खरक तरफ (एक्सप्रेस-वे तक) लेपन अनुरक्षण कार्य ,विकास खंड औरैया की ग्राम पंचायत भरसेन पातेपुर सम्पर्क मार्ग कुम्हापुर डामर रोड तक लेपन कार्य,विकास खंड औरैया की ग्राम पंचायत गंगदासपुर में मुकुट सिंह के मकान से सुन्दरीपुर नेपालपुर डामर रोड तक लेपन कार्य,विकास खंड औरैया के भरसेन की पुलिया से कखावतू सुन्दरीपुर मार्ग से ग्राम शहबदिया जौरा बहादुर सम्पर्क मार्ग शहबदिया तक लेपन कार्य,विकास खंड औरैया के कखावतू सुन्दरीपुर डामर रोड से ग्राम पंचायत पातेपुर प्राथमिक विद्यालय के आगे तक लेपन कार्य, विकास खंड अछल्दा के दिबियापुर रामगढ़ बिधूना मार्गविकास खंड से महामाई मंदिर तक विशेष लेपन अनुरक्षण कार्य, फफूंद अछल्दा मार्ग से टीकमपुर प्राइमरी पाठशाला से माखनपुर सीसी तक विशेष अनुरक्षण लेपन कार्य शामिल है। इस अवसर पर एनआईसी में जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे, जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह , पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल्द मेडिकल कॉलेज के शिलान्यास के लिए आ सकते सीएम योगी

विकास को लेकर मुख्यमंत्री से मिले लाखन सिंह

दिबियापुर। गुरुवार को लखनऊ में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कृषि मंत्री दिबियापुर विधायक लाखन सिंह राजपूत ने औपचारिक भेंट कर जनपद में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर वार्ता की। उन्होंने जिले में न्यायालय भवन के निर्माण व अन्य विकास कार्यों के साथ कानून व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की। आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में भी वार्ता की । मालूम हो दिबियापुर में अत्याधुनिक रोडवेज बस अड्डा व राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य का कार्य प्रगति पर है, वहीं कुछ अन्य कार्य भी प्रस्तावित हैं। कुछ कार्यों का बजट जारी हुआ,कुछ के लिए बजट की जरूरत है। ऐसे कार्यों के लिए मंत्री ने बजट स्वीकृत करने की मांग भी मुख्यमंत्री से की।

कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

औरैया। कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने अपने विधानसभा क्षेत्र दिबियापुर में पिछले साढ़े चार साल में कराए गए विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड सोमवार को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 244 करोड़ से बनने वाले मेडिकल कालेज का शिलान्यास करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिवाली से पहले जिले में आ सकते हैं। औरैया से बेला तक स्टेट हाईवे को फोरलेन बनाए जाने तथा दिबियापुर में बाईपास के निर्माण के लिए 834 करोड़ रुपए का डीपीआर तैयार कर शासन को प्रेषित कर दिया गया है। सर्वे का काम भी शुरू हो गया है। कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि दिबियापुर विधानसभा क्षेत्र में विकास के रिकॉर्ड काम हुए हैं। अजीतमल में जल निकासी के लिए 14 करोड़ की लागत से नाला निर्माण कराया गया है। दिबियापुर में लगभग 7 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक बस स्टैंड का 80 फीसदी काम पूरा कराया जा चुका है। मेडिकल कहलेज का निर्माण शुरू हो गया है। 15 करोड़ 52 लाख रुपए की लागत से 100 सैया मैटरनिटी विंग चिचोली का निर्माण शुरू हो गया है। 100 सैया जिला चिकित्सालय को उच्चीकृत किया जा रहा है, बघुवा में पीएचसी का निर्माण कराया जा रहा है। जिला न्यायालय भवन के लिए 74 करोड़ रुपए से जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है, जल्द भवन का निर्माण शुरू होगा। पाता में फ्लाईओवर बन चुका है।

शहर,राज्य और देश की सटीक, सत्य और सबसे तेज खबरें
विस्तृत खबरों के लिए
तेजस ख़बर
तेजस ख़बर
सवाल भी आवाज भी
न्यूज पेपर
हमसे जुड़ने के लिए
/tejaskhabar
www.tejaskhabar.com
7536 00 5533
ANDROID APP ON Google play
ऐप डाउनलोड करें

यहां पुलिस वाले ही खरीद रहे थे चोरी की मोटरसाइकिलें

फिरोजाबाद। जिले में पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के चार सदस्यों को दबोचा है। खास बात यह है कि इस गिरोह से चोरी की मोटरसाइकिल पुलिस वाले और पत्रकार खरीदते थे। जिले में ही तैनात दो पुलिस के जवानों को मामले में गिरफ्तार करने के बाद जेल भेजा गया है।चोरी की मोटरसाइकिल खरीदने वाले तीसरे सिपाही का आगरा ट्रांसफर हो चुका है। एक सिपाही पहले से ही तेल चोरी की घटना में संलिप्तता के चलते निलंबित चल रहा है।

एसपी फिरोजाबाद अशोक कुमार के अनुसार गिरोह के सदस्यों के पास से 11 मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं ,जो जयपुर ,नोएडा और आगरा

कई पत्रकारों के नाम भी आए सामने

से चुराई गई थी। गिरोह के सदस्य अस्पताल, मंदिरों, सिनेमा हॉल, सराफा मार्केट आदि भीड़भाड़ वाली जगहों से मोटरसाइकिल चुराते थे। इस पूरे मामले को लेकर एसपी ने कहा कि वे इसमें बहुत बेरहमी से कार्यवाही करेंगे क्योंकि जब हमीं इस तरह के जुर्म में शरीक होंगे तो फिर जुर्म कहां रुकेंगे। एसपी ने बताया कि तेल चोरी के मामले में निलंबित चल रहे सिपाही सुरेंद्र सिंह व प्रवीण को मुकदमा लिख कर जेल भेजा जा रहा है। तीसरे सिपाही दलवीर का आगरा ट्रांसफर हो गया है, उसके लिए भी लिखा पढ़ी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सिपाहियों के

घर से चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों में गौतम, संतोष, राहुल व अजय शामिल हैं। पुलिस कप्तान ने बताया कि अभी कुछ और बाइकें बरामद होंगी।

100 फीसदी खाते एनपीए, 14 करोड़ से ज्यादा डूबे

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में भूमि विकास बैंक की तीन शाखाओं के शत प्रतिशत खाते एनपीए होने से करोड़ों रुपए डूबने की कगार पर पहुंच गए है। इसके चलते बैंक कर्मियों को चार पांच महीने से वेतन नहीं मिल रहा है।

बैंक कर्मियों को चार पांच महीने से वेतन भी नहीं

भूमि विकास बैंक हमीरपुर के शाखा प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि नाबार्ड से कर्ज लेकर भूमि बिकास बैंक हमीरपुर,मौदहा राठ के किसानो को कर्ज देती है। चार दशकों के बाद भी किसानों ने कर्ज नही जमा किया है। लिहाजा हमीरपुर शाखा में दो करोड़ 64 लाख 81 हजार,मौदहा में 2 करोड़ 79 लाख 36 हजार,राठ में आठ करोड़ 63 लाख 16 हजार रुपए यानी कुल 14 करोड़ सात लाख 33 हजार रुपए के हजारों खाते एनपीए (नान परफार्मेंस एकाउंट) हो गए हैं। जिले में तीन बैंकें हैं जिसमें बैंक कर्मियों को चार पांच महीने से वेतन नहीं मिल रहा है।

पैसा किसी तरह किसानों से वसूला जा सके इसके लिए शासन ने हार थक कर हरेक बैंक को ऋण वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। हमीरपुर व मौदहा शाखा को दो-दो करोड़,राठ शाखा को एक करोड़ 10 लाख का लक्ष्य दिया है। शासन ने साफ कहा है कि बैंक कर्मियो को वेतन तभी मिलेगा जब ऋण वसूलने के साथ-साथ किसानों को दिए गए टारगेट के अनुसार ऋण भी वितरित करेंगी। हमीरपुर शाखा प्रबंधक का कहना है कि एनपीए खाते होने के बाद भी हमीरपुर ब्रांच ने किसानों को तीन लाख रुपए, मौदहा ब्रांच ने 16 लाख 20 हजार, राठ ब्रांच में 31 लाख 60 हजार रुपए का ऋण वितरित कर दिया है। इस बार ऋण वितरण उन्हीं किसानों को दिया जा रहा है जो शीघ्र वापस कर सकें। हालांकि इस समय ओटीएस योजना संचालित है जिसमें ब्याज माफ करने का प्राविधान है जो किसान ओटीएस में पैसा जमा करना चाहते हैं उन्हें काफी छूट प्रदान की जा रही है। बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार का कहना है कि बैंको की हालत खराब है। किसानो को बैंक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ऋण वसूली कर स्थिति ठीक की जा रही है,इधर कई सालो से बैंक में ऋण न बटने के कारण लोग भूमि बिकास बैंक को पूरी तरह भूलते जा रहे हैं। कुछ किसान वसूली को लेकर कोर्ट चले गए जिससे किसानों की वसूली और जटिल होती

जा रही है। बैंको का पैसा किसानों से कैसे निकाला जाए इसके लिये दो दिन पहले झांसी में चित्रकूट व झांसी मंडल की एक बैठक हुई है, जिसमें योजना बनाकर वसूली करने को कहा गया है ताकि बैंको को इस संकट से उबारा जा सके।

उरई में 25 लाख से बनाया जाएगा प्रवेश द्वार

■ विधायक निधि से बनेगा उरई शहर का प्रवेश द्वार ■ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर बनेगा द्वार

■ भाजपा विधायक ने अपनी निधि से दिए 24 लाख 96 हजार ■ पीएम मोदी के जन्मदिन पर रखी गई आधारशिला

वरुण द्विवेदी, जालौन। भाजपा के उरई सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने जनपद के लोगों के लिए नई सौगात दी है। यह सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्म दिवस के अवसर पर दी गई। विधायक ने 24 लाख 96 हजार की लागत से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत में पंडित अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर द्वार निर्माण का भूमि पूजन किया है।

पूर्व पीएम भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई के नाम पर उरई का प्रथम द्वार बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस और भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर द्वार की आधारशिला वेदों मंत्र उच्चारण के साथ उरई के बड़ागांव के पास रखी गई। इस आधार शिला कार्यक्रम में भाजपा विधायक गौरी शंकर वर्मा के साथ भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

देश विदेश में अलग पहचान रखने वाले भारतीय जनता पार्टी के पहले प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर इस द्वार का नाम रखा जाएगा। जिसे उरई विधायक गौरी शंकर वर्मा की 24 लाख 96 हजार की विधायक निधि से बनाया जाएगा। झांसी-कानपुर रोड पेट्रोल पंप के पास आज उरई विधायक गौरी शंकर वर्मा के द्वारा इस द्वार की नींव रखी गई। जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पहले भूमि पूजन किया गया, बाद में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस द्वार की आधारशिला रखने के बाद भाजपा विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि पूर्व पीएम ने सभी धर्मों को एक साथ लेकर चलने वाले थे, देश को विदेश में अलग पहचान दिलाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर 17 सितंबर को द्वार की आधारशिला रखी गई है और उन्हीं की याद में यह द्वार बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह द्वार 24 लाख 96 हजार की धनराशि से बनाया जा रहा है, जिसे विधायक निधि से दिया गया है।

टेंपो को बचाने में पेड़ से भिड़ी रोडवेज बस, दो दर्जन यात्री घायल

फर्रुखाबाद। जिले के थाना शमशाबाद क्षेत्र के हजियापुर तिराहे के निकट बृहस्पतिवार की रात टैंपू को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित रोडवेज बस पेड़ से टकरा गई। हादसे में करीब डेढ़ दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हुए। घटना से मौके पर कोहराम मच गया। हादसे के वक्त बस में करीब 4 दर्जन यात्री सवार थे। गंभीर रूप से जख्मी 16 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 4 को सैफई रेफर किया गया है। डीएम एसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से घटना के संबंध में जानकारी ली है।

फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रही रोडवेज की बस हजियापुर तिराहे के निकट अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में जा गिरी। बस के खड्ड में गिरने और पेड़ से टकराने के कारण बस के परखच्चे उड़ गए और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से सभी घायलों को लोहिया अस्पताल भिजवाया गया। इस बीच एसडीएम कायमगंज भी मौके पर पहुंच गए। एंबुलेंस से बड़ी संख्या में घायलों के अस्पताल आने की जानकारी पर सीएमओ डॉ सतीश चंद्र ने चिकित्सकों को अलर्ट कर दिया। दर्जन चिकित्सकों की टीम को घायलों के उपचार में लगाया गया। गंभीर रूप से घायल 4 यात्रियों को सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कैटरीना की जानकारी पर जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह तथा पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा जिला अस्पताल पहुंच गए उन्होंने सीएमओ तथा डॉक्टरों को सभी घायलों का बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। डीएम ने घायलों से घटना के बारे में जानकारी ली एसडीएम सदर अनिल कुमार ने भी अस्पताल पहुंच कर यात्रियों से हाल-चाल लिए। सीएमओ डॉ सतीश चंद्र ने बताया कि राजेपुर ब्लाक के गांव सबलपुर के साथ तथा

मैनपुरी जिले का एक, हरदोई जिले का एक तथा मोहम्मदाबाद और जहानगंज के यात्री बस से दिल्ली जा रहे थे। जिला अधिकारी ने बताया कि लगभग 16 यात्री घायल हुए हैं उन्हें उपचार देकर वार्ड में भर्ती किया गया। गंभीर रूप से घायल चार मरीजों को सैफई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है।

मुनीष त्रिपाठी
संपादक की कलम से

विद्रोही सिद्धू के दबाव में कांग्रेस ने उठाया आत्मघाती कदम

कोई भी संगठन और विशेषकर राजनीतिक दल अनुशासन के अभाव में न तो स्थायी हो सकता है और न ही शक्तिशाली । भाजपा ने अपने कड़े अनुशासन के बल पर बीते कुछ महीनों में तीन प्रदेशों में अपने मुख्यमंत्री बदल दिए लेकिन विद्रोह तो दूर की बात विद्रोह की चिंगारी भी नहीं फूटी । हालाकि मजबूत नेतृत्व के कारण भी अनुशासन हीनता पनप नहीं पाती । भाजपा के पास मौजूदा समय में मोदी का शक्तिशाली नेतृत्व मौजूद है वहीं कांग्रेस के पास इसका अभाव है। वरना भाजपा में भी किसी समय शंकर सिंह बाघेला, केशुभाई पटेल और कल्याण सिंह ने विद्रोह कर भाजपा को गहरा आघात पहुंचाया था। कैप्टन अमरिंदर का जिस तरह कांग्रेस से हटाये गए वह कांग्रेस के लिये अनुशासन हीनता की पराकाष्ठा है। सिद्धू के अनुशासन हीनता के रवैये के चलते कैप्टन को हटाना कांग्रेस के लिये अनुशासन हीनता को ही बढ़ावा देगा । यदि कांग्रेस के पास कैप्टन विरोधी लहर का इनपुट मिला था तो कांग्रेस को चाहिये था कि सामान्य तरह से उनका इस्तीफा लेते । कांग्रेस के कदम से संदेश गया है कि सिद्धू के दबाव में ही कैप्टन को हटाया गया। यही काम भाजपा ने किया लेकिन सलीके के साथ । भाजपा ने अपने 4 पूर्व मुख्यमंत्री जो क्षत्रप ही थे यदुरप्पा , विजय रुपाणी, त्रिवेन्द्र रावत और तीरथ सिंह रावत हटाये लेकिन वे पार्टी में ही रहकर निष्ठा के साथ जुड़े हुए है। वहीं कैप्टन के तेवर से लग रहा है कि वे पार्टी छोड़ सकते है । सबसे बड़े अचरज की बात यह है कि कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने बगावती तेवर अपनाने वाले सिद्धू के नेतृत्व में ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया जो कि वर्तमान मुख्यमंत्री चन्नी के लिये किसी अपमान से कम नहीं है। कांग्रेस का यह फैसला किसी अपरिपक्व क्रिकेट के कैप्टन जैसा ही है जिसे यह भी नहीं आता कि विरोधी टीम को अपनी रणनीति के बारे में जानकारी न दी जाए। मुख्यमंत्री कांग्रेस के सबसे मजबूत क्षेत्रीय छत्रपों में गिने जाने वाले अमरिंदर सिंह वह नेता हैं जिन्होंने पंजाब में पिछले विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली

दल और आम आदमी पार्टी से कड़े मुकाबले में दोनों को शिकस्त देकर कांग्रेस की राज्य में सत्ता में वापसी कराई थी और आप पार्टी को सत्ता में आने से रोका था। कांग्रेस के सम्मानित और लोकप्रिय नेता की शख्सियत रखने वाले 79 वर्षीय अमरिंदर ने 2017 के चुनाव में 117 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को जबरदस्त जीत दिलाई और दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने और इस तरह उन्होंने दिल्ली से बाहर अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी के सपनों को ध्वस्त कर दिया था । अमरिंदर सिंह ने 2014 का लोकसभा चुनाव अमृतसर से लड़ा था और भाजपा के दिग्गज अरुण जेटली को एक लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया था। महीनों से कैप्टन और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच मतभेदों के चलते पंजाब कांग्रेस में अस्थिरता का माहौल चल रहा था। पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन की आहट से छत्तीसगढ़ में भी राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ के हालात भी पंजाब से काफी मिलते-जुलते हैं। सीएम पद के लिए ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। करीब 15 दिन पहले इसी को लेकर पार्टी आलाकमान के साथ कई राउंड बैठक भी हुई थी। अपनी कुर्सी को खतरा देख बघेल अपने समर्थक विधायकों को लेकर दिल्ली पहुंच गए थे। तब जाकर उनकी कुर्सी सुरक्षित रह पाई थी। सिंहदेव जिस ढाई साल के फॉर्मूले के आधार पर सीएम पद पर दावा कर रहे हैं उसे राहुल की मौजूदगी में ही अंतिम रूप दिया गया था। माना यह जा रहा था कि आलाकमान बघेल के इस रवैये से खुश नहीं था। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कोई कड़ा फैसला नहीं ले पा रहा था क्योंकि बघेल के पक्ष में ज्यादा विधायक हैं। पंजाब में संभावित नेतृत्व परिवर्तन के बाद छत्तीसगढ़ में भी सिंहदेव और उनके समर्थक नए सिरे से इसकी मांग कर सकते हैं। ऐसा हुआ तो बघेल के लिए मुश्किलें बढ सकती है।

कैप्टन अमरिंदर के सीएम पद से इस्तीफे के बाद राजस्थान के सियासी हालात पर भी चर्चाएं तेज होने लगी है। वह अलग बात है कि पंजाब और राजस्थान के राजनीतिक हालात एक दूसरे से अलग हैं लेकिन फिर भी पंजाब में हो रहे बदलाव से गहलोत विरोधियों को मनोवैज्ञानिक ताकत जरूर मिल गई है। पंजाब के बाद राजस्थान के सियासी घटनाक्रम को लेकर भी अब कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंजाब के घटनाक्रम का असर राजस्थान पर जरूर पड़ सकता है। पंजाब के घटनाक्रम को देखने के बाद अब सचिन पायलट गुट अब और भी मजबूत हो गया है वह अपनी मांग के हिसाब से संगठन में बदलाव से जुड़े फैसले करवाने के लिए दबाव बना सकता है। सचिन पायलट तो पहले से ही लगातार दिल्ली के नेताओं के संपर्क में हैं।

हालांकि पंजाब और राजस्थान में सीएम के पास विधायकों की संख्या का बड़ा अंतर है। पंजाब में विधायक अमरिंदर के खिलाफ हो गए थे लेकिन राजस्थान में अब भी नंबर गेम अशोक गहलोत के पास है। पंजाब में चल रहे सियासी घमासान के बाद पार्टी के कई साइडलाइन नेताओं को फिर से विरोध करने की नई ताकत मिल गई है। जो नेता ये मान रहे थे कि सीएम पर किसी का कोई दबाव नहीं है, हाल के पंजाब घटनाक्रम ने उस सोच को झूठा साबित कर दिया है।

संतुलन साधने की कोशिश में पाटीदार कार्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में भाजपा ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदलने के बाद नई सरकार के गठन में चुनावी और क्षेत्रीय संतुलन साधने की पूरी कोशिश की है हालांकि ढाई दशक से अधिक समय से इस पश्चिमी राज्य की बागडोर थाम रहे भगवा दल ने इस मामले में श्पाटीदार कार्डश् को ही सबसे अधिक महत्व दिया है।

राज्य में आर्थिक और सामाजिक रूप से दबंग माने जाने वाले पाटीदार समुदाय की आबादी हालांकि मात्र लगभग 13 प्रतिशत है पर इन्हें सबसे अधिक आबादी वाले अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी (क़रीब 40 प्रतिशत) और क़रीब बराबर जनसंख्या वाले आदिवासी समुदाय (14 प्रतिशत) से राजनीतिक रूप से अधिक मज़बूत माना जाता है। यह बात भी कोई ढकी छुपी नहीं है कि इस समुदाय का भाजपा को लंबे समय से सत्ता में टिकाए रखने में ख़ासा योगदान हैं।

पिछले दिनों हुए मंत्रिमंडल गठन में पूर्ववर्ती सरकार के एक भी चेहरे को रिपीट नहीं किया गया है। जैन विजय रूपाणी को हटा कर पाटीदार समुदाय के ही मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को लाने वाले भाजपा आलाकमान ने नए मंत्रिमंडल में छह पाटीदारों को जगह दी है। इस तरह सरकार में मुख्यमंत्री समेत कुल सात पाटीदार चेहरे हो गए हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सरकार से बाहर हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने अगर बग़ावत की तो भाजपा इस पाटीदार कार्ड के ज़रिए उनसे भी निपट सकती है।

ओबीसी के छह, आदिवासी समुदाय के पांच, क्षत्रिय तीन और क़रीब 10 प्रतिशत आबादी

वाले ब्राह्मण समुदाय को दो और सात प्रतिशत आबादी वाले दलित तथा कम आबादी लेकिन मज़बूत रसूख़ वाले जैन समुदाय को एक-एक मंत्री पद मिला है।

क्षेत्रवार भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले दक्षिण गुजरात से सर्वाधिक आठ चेहरों को मंत्री बनाया गया है ,इनमें भूपेंद्र पटेल सरकार के सबसे युवा चेहरे सूरत ज़िले के मजुरा क्षेत्र के विधायक 36 वर्षीय हर्ष संघवी भी शामिल हैं। मज़े की बात यह है कि सबसे अधिक उम्र वाले मंत्री कनु देसाई (70) भी दक्षिण गुजरात के पारडी के हैं। मध्य गुजरात से छह (मुख्यमंत्री समेत सात), सौराष्ट्र कच्छ के सात और आम तौर पर कांग्रेस का मज़बूत गढ़ रहे उत्तर गुजरात के तीन चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है।

महिला सशक्तिकरण के हिमायती श्री मोदी के इस राज्य में हालांकि इस बार भी कैबिनेट स्तर के मंत्री के तौर पर एक भी महिला को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है पर दो महिलाओं को राज्य मंत्री ज़रूर बनाया गया है। यह संख्या पिछली बार से एक अधिक है।

इस बार सरकार में मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल का आकार 25 का है जिसमें 10 कैबिनेट मंत्री और 14 राज्य मंत्री हैं। पिछली बार यह संख्या 23 थी।

भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में मुख्यमंत्री परिवर्तन के बाद बनी पूरी सरकार में एक भी पुराने चेहरे को शामिल नहीं करने के क़दम (कथित नो-रिपीट

भाजपा के 'नो-रिपीट' यानी पूर्ववर्ती सरकार के एक भी मंत्री को दोबारा मंत्री पद नहीं देने के फार्मूले के तहत विजय रूपाणी सरकार के किसी भी मंत्री को भूपेंद्र पटेल सरकार मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गई है। सारे मंत्री नए हैं। पिछली बार के उलट इस बार उप मुख्यमंत्री नहीं है और मंत्रिमंडल में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने का भी प्रयास किया गया है। पूर्व में कांग्रेस से बग़ावत कर भाजपा का दामन थामने वाले कुछ चेहरों को भी मंत्री पद दिया गया है। पिछली सरकार में केवल एक ही महिला मंत्री थी जबकि इस बार दो महिलाओं को मंत्री बनाया गया है। दोनों राज्य मंत्री ही हैं।

फार्मूले) को एक 'अभिनव लोकतांत्रिक प्रयोग' क़रार दिया।

पार्टी ने यह भी कहा कि नए नेतृत्व को उभारने वाले इस प्रयोग से देश भर में प्रेरणा ली जा सकती है। गुजरात भाजपा के प्रभारी और केंद्र सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव ने राज्य के नए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मंत्रिमंडल गठन पर राज्य के पुराने नेतृत्व और पूर्व मंत्रियों की नाराज़गी की बात को ख़ारिज करते हुए दावा किया कि यह एक सर्वसम्मत निर्णय था और उन सबकी शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर तथा सामने मौजूदगी रही। जो दल स्थिरता और सातत्य यानी कन्सिस्टेन्सी और कांटीन्यूइटी के साथ काम करती है वह नए नेतृत्व को उभारता है।

अभिव्यक्ति की विशेष क्षमता केवल साहित्यकारों के पास

■ साहित्य अकादमी के पुरस्कार वितरण समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार विश्वनाथ प्रसाद तिवारी का संदेश ■ अहिंसा से जूझ रही दुनिया में समाज को संभालें लेखक

नई दिल्ली। प्रख्यात साहित्यकार विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने शनिवार को कहा कि साहित्यकारों को प्रकृति ने अभिव्यक्ति की विशेष क्षमता दी है।

श्री तिवारी ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में साहित्य अकादमी पुरस्कार 2020 प्रदान करते हुए कहा कि अभिव्यक्त तो सभी करते हैं, लेकिन विचारों की अभिव्यक्ति की विशेष क्षमता केवल लेखकों और साहित्यकारों के पास है। प्रकृति ने सबको कुछ न कुछ विशेष दिया है। इनमें से एक है संवेदनशीलता, जो स्व से अन्य को जोड़ता है। दूसरी विशेषता परकाया प्रवेश है। ये लेखक की प्रकृति प्रदत्त शक्तियां है।

उन्होंने कहा कि लेखक स्वमेव दूसरे की वेदना का प्रवक्ता बन जाता है, जबकि इसके लिए किसी ने कहा नहीं है। लेखक यह अपना धर्म समझकर करता है। इतनी शक्तियां जब प्रकृति ने दी हैं तो लेखक को कुछ विशेष करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया हिंसा से जूझ रही है। ऐसे वक्त में लेखक को अहिंसा का रास्ता अपनाकर समाज को संभालना चाहिए। साहित्य मनुष्यता की अहिंसक प्रक्रिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'अहिंसा का आविष्कार करने वाले हमारे ऋषि न्यूटन से बड़े वैज्ञानिक थे।'

उन्होंने कहा कि विकास का मतलब प्रकृति में अधिक हस्तक्षेप है। इतना अधिक विकास ही विनाश का कारण बनता है। मानव जब प्रकृति में हस्तक्षेप करेगा तब वह विनाश का कारण बनेगा। अगर हमारा लक्ष्य सुख और शांति है, जो मनुष्यता का लक्ष्य होना चाहिए, इसलिए एक बुद्धिजीवी के रूप में लेखक को केवल मनुष्य धर्मी नहीं बल्कि प्राणीमात्र धर्मी और पर्यावरण धर्मी होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि साहित्य के मुहावरों को राजनीति ने अपनाया और इनका आज़ादी की लड़ाई में भी उपयोग किया गया। इस वक्त सभी को अपनी मातृभाषा को बचाने और चिंता करने की आज बहुत जरूरत है।

यहां आयोजित कार्यक्रम में अपूर्व कुमार शइकीया (असमिया), शंकर (बांग्ला), (स्व.) धरणीधर औवारि (बोडो), अरुंधति सुब्रमण्यम (अंग्रेज़ी), हरीश मीनाश्रु (गुजराती), अनामिका (हिंदी), एम. वीरप्पा मोइली (कन्नड), (स्व.) हृदय कौल भारती (कश्मीरी), आर. एस. भास्कर (कोंकणी), कमलकान्त झा (मैथिली), ओमचेरी एन.एन. पिल्लई (मलयालम), इरुङ्गबम देवेन सिंह (मणिपुरी), शंकर देव ढकाल (नेपाली), यशोधरा मिश्रा (ओड़िया), गुरदेव सिंह रूपाणा (पंजाबी), भंवरसिंह सामौर (राजस्थानी), महेशचन्द्र शर्मा गौतम (संस्कृत), रूपचंद हांसदा (संताली), जेठो लालवाणी (सिंधी), इमाइयम (तमिल), निखिलेश्वर (तेलुगु), हुसैन-उल-हक़ (उर्दू) को पुरस्कृत किया गया।

पंजाबी और बंगाली भाषा के विजेता पुरस्कार लेने नहीं आ पाए और बोडो, कश्मीरी तथा मलयालम के विजेताओं के परिजनों ने पुरस्कार ग्रहण किए। साहित्य अकादमी पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये की राशि और प्रतीक चिह्न प्रदान किए गए।

इससे पहले साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि जब यह पुरस्कार दिया जा रहा है तब आप देश की हर भाषा के श्रेष्ठ साहित्य लिखने वाले लेखकों को यहाँ देख सकते हैं। यह भारत की बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक प्रतिभा, सांस्कृतिक उच्चता और मानवधर्मी विचारों का सम्मान है। यह श्रेष्ठ साहित्य विभिन्न विधाओं में अपनी विविध आभा के साथ स्थानीय और वैश्विक यथार्थ को हमारे सामने लाने का बड़ा कार्य कर रहा है।

अंतहीन प्रक्रिया है प्रतिशोध

प्रतिशोध एक अंतहीन प्रक्रिया है। जाति, धर्म, सम्प्रदाय, खानदान, राजनीति, विचारधारा, देश, समाज... इन सबका सौंदर्य और सुख प्रतिशोध की इस महाज्वाला में भस्म हुआ जाता है। देवासुर संग्राम से लेकर रामायण, महाभारत और चाणक्य ही नहीं, वरन प्रत्येक संस्कृति और समाज के पास प्रतिशोध की इस विकराल चिता में ज़िन्दा जली हुई ज़िन्दगी की भयावह दास्तान है।

राम, गौतम, महावीर, नानक, ईसा... इन सबने इसी प्रतिशोध के चक्र को गतिहीन करके निष्क्रोध होने के अलग-अलग मार्ग सुझाए। उन्होंने हमें दिखाना चाहा कि मनुष्य की मुस्कुराती हुई आँखों में सुख देखने का अभ्यास कर लो तो रक्तपात और परपीड़ा में आनन्द तलाशने वालों का क़द छोटा होता चला जाएगा। उन्होंने हमें सिखाया कि घृणा फैलाकर कोई समाज सुखी न रह सकेगा। उन्होंने हमें बताया कि क्षमा को इतना विराट बना लो कि विद्रूपता उसके आकार को लांघने का साहस न कर सके। उन्होंने हमें बताया कि अपनी मनुष्यता को इतना प्रबल बना लो कि कोई अमानुष उसके संकल्प को विचलित न कर सके। उन्होंने हमें सुझाया कि अपनी आस्था को इतना पुष्ट कर लो कि अनास्था का कोई झंझावात उसे आहत न कर पाए।

लेकिन हम तो उल्टे चलने लगे। हमने अपने धर्म का आनन्द भोगने की बजाय दूसरे के धर्म को नष्ट करने में सारी ऊर्जा झोंक दी। हम अपनी लकीर बड़ी करने की बजाय दूसरों की लकीरें मिटाने में जुट गए। हम क्षमा को ताक पर रखकर उद्दंडता के अखाड़े में दण्ड पेलने लगे। हमें हमारे गुरुकुल से प्रेम के मंत्र मिले थे, लेकिन हम गुरुकुल से निकलते ही प्रेम पर विश्वास करना भूल गए। हम समाज के एकीकरण के लिए दीक्षित हुए थे किंतु हमने अपने ज्ञान के बल पर समाज को कबीलों में बाँटना शुरू कर दिया।

हम घृणा को प्रेम से जीतने की बजाय, घृणा का उत्तर घृणा से देने पर उतारू हो गए। जिस क्षण हम अपने तरीके छोड़ कर उसके तरीके से लड़ने लगे, बस उसी क्षण से हम पराजित हैं।

हमारी स्थिति उस विदुर की तरह है जो शकुनि के पासे बदलवा कर अब पछता रहा है। हम उन पांडवों की तरह हैं जो कौरव बनकर युद्ध जीत तो गए किन्तु उनके भीतर का पाण्डवत्व कुरुक्षेत्र में गिरने वाला पहला शव बन गया।

हम कुरुक्षेत्र में प्रवेश करते समय केवल इतना भर संकल्प ले लें कि जब इस रण से बाहर निकलेंगे तो अपने भीतर के पाण्डवत्व को साथ लेकर लौटेंगे। हम अपनी क्षमा को बिसारकर उद्दंडता को सबक़ नहीं सिखाएंगे।

विश्वास कीजिये, यदि हम ऐसा कर पाए तो हमारे धर्मस्थलों में विद्यमान ग्रंथ जीवंत हो उठेंगे। फिर हमें हमारे महापुरुषों की वाणी का प्रचार करने के लिए लाउड स्पीकर नहीं लगाने पड़ेंगे। फिर हमारा आचरण ही हमारे धर्म का प्रतीक हो जाएगा।

सुभद्रा कुमारी चौहान
लेखिका

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी.. ।

कानपूर के नाना की, मुँहबोली बहन छबीली थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के सँग पढ़ती थी वह, नाना के सँग खेली थी,
बरछी ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी।
वीर शिवाजी की गाथायें उसकी याद ज़बानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार,
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध-व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवार।
महाराष्टर-कुल-देवी उसकी भी आराध्य भवानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में,
ब्याह हुआ रानी बन आई लक्ष्मीबाई झाँसी में,
राजमहल में बजी बधाई खुशियाँ छाई झाँसी में,
चित्रा ने अर्जुन को पाया, शिव से मिली भवानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजियाली छाई,
किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई,
तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाई,
रानी विधवा हुई, हाय! विधि को भी नहीं दया आई।
निसंतान मरे राजाजी रानी शोक-समानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

बुझा दीप झाँसी का तब डलहौज़ी मन में हरषाया,
राज्य हड़प करने का उसने यह अच्छा अवसर पाया,
फ़ौरन फौजें भेज दुर्ग पर अपना झंडा फहराया,
लावारिस का वारिस बनकर ब्रिटिश राज्य झाँसी आया।
अश्रुपूर्णा रानी ने देखा झाँसी हुई बिरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

अनुनय विनय नहीं सुनती है, विकट शासकों की माया,
व्यापारी बन दया चाहता था जब यह भारत आया,
डलहौज़ी ने पैर पसारे, अब तो पलट गई काया,
राजाओं नव्वाबों को भी उसने पैरों ठुकराया।
रानी दासी बनी, बनी यह दासी अब महरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

छिनी राजधानी दिल्ली की, लखनऊ छीना बातों-बात,
कैद पेशवा था बिठुर में, हुआ नागपुर का भी घात,
उदैपुर, तंजौर, सतारा, करनाटक की कौन बिसात?
जबकि सिंध, पंजाब ब्रह्म पर अभी हुआ था वज्र-निपात।
बंगाले, मद्रास आदि की भी तो वही कहानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

रानी रोयीं रिनवासों में, बेगम ग़म से थीं बेज़ार,
उनके गहने कपड़े बिकते थे कलकत्ते के बाज़ार,
सरे आम नीलाम छापते थे अंग्रेज़ों के अखबार,
'नागपूर के ज़ेवर ले लो लखनऊ के लो नौलख हार'।
यों परदे की इज़्ज़त परदेशी के हाथ बिकानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

कुटियों में भी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान,
वीर सैनिकों के मन में था अपने पुरखों का अभिमान,
नाना धुंधूपंत पेशवा जुटा रहा था सब सामान,
बहिन छबीली ने रण-चण्डी का कर दिया प्रकट आहवान।
हुआ यज्ञ प्रारम्भ उन्हें तो सोई ज्योति जगानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने ज्वाला सुलगाई थी,
यह स्वतंत्रता की चिनगारी अंतरतम से आई थी,
झाँसी चेती, दिल्ली चेती, लखनऊ लपटें छाई थी,
मेरठ, कानपूर, पटना ने भारी धूम मचाई थी,
जबलपूर, कोल्हापूर में भी कुछ हलचल उकसानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी. ।।

दुबई में लगेगी महाराणा प्रताप, पद्मिनी एवं गंगा सिंह की प्रतिमाएं

बीकानेर। राजस्थान के वीर शिरोमणि एवं हल्दीघाटी युद्ध के विजेता महाराणा प्रताप, राजसी वैभव, बलिदान, स्वाभिमान एवं रूप सौंदर्य की मूरत पूर्व महारानी पद्मिनी एवं गंगनहर का निर्माण कर राजस्थान के भागीरथ कहलाने वाले पूर्व महाराजा गंगा सिंह की प्रतिमा दुबई में लगाई जाएगी।

पूर्व राजपरिवार से जुड़ी विधायक सिद्धीकुमारी के निजी सचिव सुधीर व्यास ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि ये प्रतिमाएं दुबई के शारजहां में समुद्र के किनारे चोखी ढाणी रिसोर्ट में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित भारती शिल्पकला स्टूडियो में मूर्तिकार महावीर भारती एवं निर्मला कुल्हरी द्वारा ये प्रतिमाएं तैयार की गई हैं।

चोखी ढाणी के निदेशक मेहुल वसनानी के अनुसार इन विभूतियों की प्रतिमाएं शीघ्र ही दुबई में स्थापित होगी। उन्होंने बताया कि इन

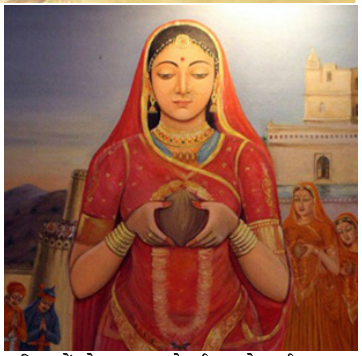

प्रतिमाओं के साथ उनके जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी शिलापट्ट पर उकेरी जाएगी। इनके स्थापित होने से दुबई एक्सपो में आने वाले पर्यटकों को भारत के गौरवशाली इतिहास के महत्वपूर्ण अंग रहे इन विभूतियों की अद्वितीय प्रतिमाओं के अवलोकन का अवसर मिलेगा।

कंटेंट क्रिएटरों के लिए मिनी वायरलेस माइक्रोफोन

नई दिल्ली। फोटो मार्केट ने प्रोफोक्सग्रीप डॉटकॉम पावर्ड फीडू एफएम40 को लान्च किया है। यह टू डाइवर्सिटी मिनी वायरलेस माइक्रोफोन, डीएसएलआर और स्मार्टफोन के लिए है। अब यह भारत में उपलब्ध है और इसकी कीमत 8,999 रुपए है।

यह माइक्रोफोन शोरमुक्त, बिल्कुल साफ और अनकलर्ड अहडियो प्रदान करता है जो इसे किफायती कीमत में न्यूजगैदरिंग, एंकरिंग सहित सभी गतिविधियों के लिए उपयुक्त बनाता है। एफएम40, बाजार में उपलब्ध एफएम50 और एफएम60 का अपग्रेडेड वर्जन है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि

नया एफएम40 सभी उत्पादों के साथ कंपैटिबल है और यह नौसिखुओं, व्लहगर्स, फिल्मनिम. ताओं और यहां तक कि लाइव स्ट्रीमिंग के लिए उपयुक्त है। यह ठोस वायरलेस माइक्रोफोन सिस्टम आकार में काफी छोटा और इनोवेटिव क्लिप-इन वाला है। माइक्रोफोन में इन-बिल्ट ओम्नीडाइरेक्शनल कंडेंसर कैप्सुल है।

और इसका उपयोग क्लिप-ऑन माइक के रूप में या लेवलियर के रूप में किया जा सकता है। यह टू डाइवर्सिटी डिजिटल ट्रांसमिशन के साथ ऑन-कैमरा या स्मार्टफोन रिसीवर को हाई-क्वालिटी ऑडियो भेजता है।

वीआईएल ने 5जी का किया ट्रायल, डाउनलोड स्पीड 1.5 जीबीपीएस

मुंबई । दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने महाराष्ट्र के पुणे और गुजरात के गांधीनगर में टेलीकॉम नेटवर्क की पांचवीं पीढ़ी (5जी) के ट्रायल में डाउनलोड स्पीड 1.5 गीगा बाइट प्रति सेकेंड (जीबीपीएस) होने का दावा किया है।

कंपनी ने रविवार को बताया कि वीआईएल ने पुणे शहर में क्लाउड कोर, नई पीढ़ी के ट्रांसपोर्ट और रेडियो एक्सेस नेटवर्क के लैब में अपना 5जी परीक्षण किया है। इस ट्रायल में एमएमवेव स्पेक्ट्रम बैंड पर 3.6 जीबीपीएस से अधिक की स्पीड हासिल की गई है। इसके अलावा गांधीनगर और पुणे शहर में 3.5 गीगाहर्ट्ज बैंड 5जी ट्रायल डाउनलोड स्पीड 1.5 जीबीपीएस तक रही है।

कंपनी को दूरसंचार विभाग की ओर से 5जी नेटवर्क परीक्षण के लिए पारंपरिक 3.5 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड के साथ 36 गीगाहर्ट्ज़ जैसे एमएमवेव उच्च बैंड आवंटित किए गए हैं।

वीआईएल के सीटीओ जगबीर सिंह ने अब तक के परीक्षण पर टिप्पणी करते हुए कहा, "हम सरकार द्वारा आवंटित 5जी स्पेक्ट्रम बैंड पर 5जी ट्रायल के शुरुआती चरणों में प्राप्त गति परिणाम से खुश हैं। भारत में एक मजबूत 4जी नेटवर्क स्थापित करने और सबसे तेज 4जी गति और 6जी के लिए नेटवर्क प्रदान करने के बाद हम अब अगली पीढ़ी की 5जी तकनीक का परीक्षण कर रहे हैं ताकि भविष्य में देश में उद्यमों और उपभोक्ताओं को सही मायने में डिजिटल अनुभव

प्रदान किया जा सके।"

ओएमएस ने पेश किया इलेक्ट्रिक स्मॉल कमर्शियल व्हीकल एम1केए

नई दिल्ली । एंग्लियन ओमेगा समूह की कंपनी ओमेगा सेकी मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (ओएसएम) ने आज भारत का पहला इलेक्ट्रिक स्महल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) 'एम1केए' लॉन्च करने की घोषणा की। इसकी बुकिंग चालू वर्ष की चौथी तिमाही में शुरू होगी।

कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष उदय नारंग ने इस वाहन को लाँच करते हुये कहा, "ओएसएम 'एम1केए' खास डिजाइन से बना है जो 'आपकी आमदनी का साथी' होने का वादा पूरा करेगा। नया प्रोडक्ट लॉन्च कर ब्रांड अपनी श्रेणी-में-सर्वश्रेष्ठ, भरोसा और कम टीसीओ के साथ लागत का पूरा लाभ देना जारी रखेगा।"

उन्होंने कहा कि एम1केए में हल्के वजन की एनएमसी आधारित 90 केडब्ल्यूएच की बैटरी है जो एक बार चार्ज पर 250 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करती है। बैटरी 4 घंटे में ही डीसी फास्ट चार्जिंग स्टेशनों पर पूरी चार्ज हो जाती है। वाहन की पेलोड क्षमता 2 टन है इसलिए यह अपनी श्रेणी में सबसे कुशल वाहन होगा।

इसके अतिरिक्त वाहन के अगले भाग में 6 लीफ स्प्रिंग्स सस्पेंशन और पीछे 7 सस्पेंशन का मजबूत आधार है इसलिए एम1केए किसी भी इलाके में हाईवे पर जाने के लिए भी सबसे सही वाहन है। पूरी तरह नयापन लिए एम1केए बेहतर टेंसाइल स्ट्रेंथ को मजबूत आधार देता है। वाहन के अंदर 10 फुट का बड़े लोडिंग एरिया है जो भारी और अधिक वॉल्यूम के माल परिवहन के लिए इसे बहुत उपयुक्त बनाता है।

उन्होंने कहा, " वाणिज्यिक वाहन के बाजार में ईवी के आगे निकलने की खास वजह लागत पर लाभ, स्थायी समाधान और केंद्र और राज्य सरकार से अधिक से अधिक समर्थन मिलना है। वर्तमान में लागू एसओपी और अनुकूल परिवेश प्रेरित करता है कि हम ग्राहकों के लिए नए-नए ईवी पेश करते रहें। हम अत्याधुनिक प्रोडक्ट एम1केए पेश करते हुए बहुत उत्साहित हैं। ओमेगा सेकी मोबिलिटी नई पीढ़ी के इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल पेश कर नेट-जीरो कार्बन मोबिलिटी का विकास करने का मिशन मज़बूत बना रही है।"

ओमेगा सेकी मोबिलिटी के एम डी डह. देब मुखर्जी ने कहा, "भविष्य के परिवहन की जरूरत पूरी करने के लिए उच्च कोटि की इंजीनियरिंग और तकनीकी वाहनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ओमेगा सेकी मोबिलिटी के वाहन बाजार में अग्रणी रहे हैं। इनके निर्माण के प्लेटफार्म को अनुकूल बनाया जा सकता है और इस तरह हम ग्राहकों को हमारी प्रोपराइटरी तकनीक से ई-मोबाइल सॉल्यूशन देते रहे हैं जो इन्हें खरीदने-चलाने की कुल लागत न्यूनतम कर देते हैं।"

स्टार्टअप और तकनीकी उद्यमियों के लिए प्लैनेटेरियम इनोवेशन चैलेंज

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की अधीनस्थ संस्था माईगोव इंडिया ने भारतीय स्टार्ट-अप और तकनीकी उद्यमियों के लिए प्लैनेटेरियम इनोवेशन चौलेंज शुरू किया है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और मर्ज्ड रियलिटी (एमआर) सहित नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके एक स्वदेशीप्लैनेटेरियम सिस्टम सॉफ्टवेयर बनाने की क्षमता रखने वाले प्रौद्योगिकी कंपनियों और स्टार्ट-अप (भारत से बाहर स्थित) को एक साथ लाना है। इसरो क्विज का दोहराव करते हुए, 11 सितंबर को माईगोव इंडिया द्वारा प्लैनेटेरियम इवोनेशन चैलेंज शुरू किया गया। इसके लिए 10 अक्टूबर, 2021तक पंजीकरण कराया जा सकता है। प्रतियोगिता के तहत हमारे प्लैनेटेरियम (तारामंडलों) के लिए अत्याधुनिक तकनीक विकसित करने की खातिर स्टार्ट-अप और तकनीकी उद्यमियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। भारत में प्लैनेटेरियम के लिए, विशेष रूप से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों की खातिर, नई तकनीकों (ऑगमेंटेड रियलिटी,

वर्चुअल रियलिटी और मर्ज्ड रियलिटी) का इस्तेमाल करने का अवसर है। ये तकनीकें मेड इन इंडिया यानी स्वदेशी होंगी।

प्रतियोगिता के तहत प्रथम विजेता, द्वितीय विजेता और तृतीय विजेता को क्रमशः पांच लाख रुपए, तीन लाख रुपए और दो लाख रुपए का नकद पुरस्कार मिलेगा। इसके अलावा विजेताओं और प्रतिभागियों को क्षेत्र में काम करने वाले लोगों से मिलने और पारिस्थितिकी तंत्र में हो रही नवीनतम प्रगति को जानने का अवसर मिलेगा। एक हाई व्यूअरशिप प्लेटफॉर्म उन्हें पूरे भारतीय उद्योग के अलग-अलग क्षेत्रों के संगठनों के शीर्ष लोगों के सामने अपने नवाचार को प्रदर्शित करने/बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगा।

चंद्रयान प्रक्षेपण से प्रेरित होकर, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने माईगोव के सहयोग से इसरो क्विज प्रतियोगिता 2019 का आयोजन किया, जहां कई स्कूलों, अभिभावकों और उत्साही परामर्शदाताओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से इसे यादगार बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ देश भर के क्विज विजेताओं ने इसरो कंट्रोल रूम से चंद्रयान 2 की चंद्रमा पर लैंडिंग को लाइव देखा था।

ओकाया ने लांच किया मेक इन इंडिया ई स्कूटर फ्रीडम

नई दिल्ली। एनर्जी स्टोरेज क्षेत्र की कंपनी ओकाया ग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई ओकाया ईवी ने आज भारत निर्मित ई स्कूटर फ्रीडम लाँच करने की घोषणा की जिसकी शुरूआती कीमत 69900 रुपये है।

ओकाया पावर ग्रुप के प्रबंध निदेशक अनिल गुप्ता ने आज इस स्कूटर को लाँच करते हुये कहा कि शत प्रतिशत स्वदेश निर्मित इस स्कूटर का निर्माण हिमाचल प्रदेश के बद्दी स्थित कंपनी के संयंत्र में किया जा रहा है। इसको लिथियम आयन और लिथियम ऐसिड बैटरी के विकल्प के साथ उतारा गया है।

उन्होंने कहा कि इस स्कूटर की अधिकतम स्पीड 25 किलोमीटर प्रति घंटे है और एक बार फुल चार्ज होने पर यह अधिकतम 80 किलोमीटर तक चल सकता है।

इस मौके पर कंपनी के निदेशक अंशुल गुप्ता ने कहा कि उनकी कंपनी ने सिर्फ मोबिलिटी टूल ईवी बना रही है बल्कि एक ईकोसिस्टम भी तैयार कर रही है।

एमजी ने एस्टर का किया अनावरण

नई दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी एमजी मोटर इंडिया ने पर्सनल एआई असिस्टेंट और गेमेंट में पहली ऑटोनोमस (लेवल-2) टेक्नोलॉजी वाली भारत की पहली एसयूवी एमजी एस्टर का अनावरण किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एस्टर एमजी के सफल ग्लोबल प्लेटफॉर्म जेडएस पर आधारित है। इमोशनल डायनामिज्म की डिजाइन फिलोसॉफी के आधार पर एमजी की एस्टर की अत्याधुनिक स्टाइल इस कार और ग्राहकों के बीच कनेक्ट करेगी। इसमें एक प्रमुख बोल्ड सेलेस्टियल ग्रिल है जो ऑन-रोड कार की बहुत ही मजबूत छवि बनाता है। क्लासिक लेपर्ड जंप शोल्डर लाइन के साथ एसयूवी एक एलिगेंट और एक्शन के लिए तैयार नजर आती है। एलईडी हेडलैम्प्स में एस्टर के नो क्रिस्टल डायमंड एलिमेंट्स सटीक विवरण के साथ एक अलग ही हॉक-आई एक्सप्रेशन बनाते हैं।

इंटीरियर को सहफ्ट-टच और प्रीमियम कंटेंट के साथ तैयार किया गया है। यह दो इंजन विकल्पों में आएगा - ब्रिट डायनेमिक 220 टर्बो पेट्रोल इंजन जिसमें 6-स्पीड एटी है। दूसरा - मैनुअल ट्रांसमिशन वाला वीटीआई टेक पेट्रोल इंजन और 8-स्पीड सीवीटी है। बहुप्रतीक्षित मध्यम आकार की एमजी एस्टर 19 सितंबर से एमजी शोरूम में प्रदर्शित होगी और इसके तुरंत बाद इसके लिए बुकिंग शुरू हो जाएगी।

एमजी के ग्लोबल डिज़ाइन सेंटर में एडवांस्ड डिज़ाइन डायरेक्टर कार्ल गोथम ने कहा, "इमोशनल डायनेमिज़्म का कंसेप्ट एस्टर को प्रीमियम एहसास देता है। मध्यम आकार की एसयूवी असाधारण स्तर की डिटेलिंग और उल्लेखनीय विशेषताओं के साथ देखने वाले को आनंद से भर देती है। हमने डिजाइन को कार बनाने के केंद्र में रखा ताकि तकनीकी रूप पर जो बेहतरीन फीचर्स वह देती है, उतनी ही ख़ूबसूरत वह देखने में भी लगे।

कांग्रेस का एलान अगला विधानसभा चुनाव सिद्धू के नेतृत्व में लड़ा जाएगा

भाजपा ने कहा फिर चन्नी नाइट वॉचमैन

चंडीगढ़ । पार्टी के पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने कहा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव राज्य पार्टी प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के नेतृत्व में लड़े जाएंगे, जिसपर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने कहा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पंजाब और देश के दलित समुदाय का अपमान किया है।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने बताया कि अपनी पार्टी की राज्य इकाई में कलह को नियंत्रित करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व ने चन्नी जी (चरणजीत सिंह चन्नी) को पंजाब का मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन आगामी राज्य विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व नहीं करने देकर दलित समुदाय का अपमान किया। शर्मा ने कहा, 'अगर कांग्रेस को चरणजीत सिंह चन्नी की नेतृत्व क्षमता पर भरोसा नहीं है, तो उन्होंने राज्य विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें चार महीने के लिए मुख्यमंत्री क्यों बनाया । चन्नी की तुलना नाइट वॉचमैन से करते हुए शर्मा ने आगे कहा,'कांग्रेस नेताओं हरीश रावत और सुनील जाखड़ की टिप्पणियों से पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी में किसी को भी चन्नी के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। उन्होंने

(कांग्रेस ने) चन्नी का मजाक बनाया है और पंजाब के दलितों का अपमान किया है । इससे पहले सोमवार को पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने ट्वीट किया, 'चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में (हरीश) रावत का यह बयान चौंकाने वाला है कि चुनाव सिद्धू के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यह मुख्यमंत्री के अधिकार को कम करके आंकना है। जाखड़ के ट्वीट का हवाला देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा, 'पंजाब का कप्तान कोई और होगा, क्या चरनजीत चन्नी सिर्फ नाइट वॉचमैन हैं?

मुस्लिम महिला सहकर्मी को घर छोड़ने जा रहे बैंक अधिकारी की पिटाई, वीडियो वायरल

बेंगलुरु । बेंगलुरु पुलिस ने रविवार को बैंक के दो अधिकारियों को परेशान करने के आरोप में दो मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया है। दरअसल यहां बैंक में काम करने वाली 35 वर्षीय महिला को काम पर देर हो गई थी, जिस कारण अपने पुरुष सहयोगी से उसे घर छोड़ने का अनुरोध किया था। रात करीब 9:20 बजे दोनों बाइक पर जा रहे थे तभी पीछे से आए दो युवकों ने उन्हें रोक लिया और उनके साथ कथित रूप से मारपीट की।

बाइक पर पीछे की सीट पर बैठी महिला मुस्लिम समुदाय की थी और उसने बुर्का पहन रखा था। पुलिस ने बताया कि दोनों युवक भी मुस्लिम समुदाय के थे। दोनों युवकों ने पहले तो बैंक अधिकारियों की बाइक के आगे अपनी गाड़ी लगाकर उन्हें रोक लिया और फिर उनसे पूछताछ

शुरू कर दी. दोनों युवकों को महिला के बाइक पर सहयोगी के साथ जाने पर आपत्ति थी। महिला ने दोनों युवकों को बताया कि उसके परिवारवालों को पता है कि वह अपने सहयोगी के साथ घर आ रही है. इसके बावजूद उन्होंने महिला से उसके पति का नंबर लिया और उसे इस बात की जानकारी दी कि उसकी पत्नी एक हिंदू पुरुष के साथ बाइक में बैठी है। इस पर महिला के पति ने कहा कि उसे इस बात की जानकारी है और वह महिला के सहयोगी को भी जानता है।

इसके बावजूद बदमाशों ने महिला को जबरन बाइक से उतार दिया और ऑटो बुककर घर भेज दिया। इस दौरान युवकों ने महिला के सहयोगी के साथ गाली-गलौच और मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। महिला ने घर पहुंचने के बाद तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी और अपनी शिकायत दर्ज कराई। महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाला और फोन नंबर के जरिए आरोपियों को पता लगा लिया। पुलिस ने घटना में शामिल दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है ।

सीआरपीएफ के बिना आंतरिक सुरक्षा की कल्पना मुश्किल

सभी आंतरिक मोर्चों पर सफल रही सीआरपीएफ

नांदेड़ । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के योगदान की सराहना करते हुए आज कहा कि इसके बगैर देश की आंतरिक सुरक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। अमित शाह ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा चलाए जा रहे 'अखिल भारतीय वृक्षरोपण अभियान-2021' के अंतर्गत शुक्रवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में बल के ट्रेनिंग सेंटर में एक करोड़वें पौधे का रोपण करने के बाद कहा, 'पहले इस बल पर सीमाओं की और आंतरिक सुरक्षा की ज़िम्मेदारी थी, फिर दंगे रोकने की ज़िम्मेदारी आई। उन्होंने कहा कि 'फिर वामपंथी उग्रवादियों के सामने लड़ने की ज़िम्मेदारी आई, या पूर्वोत्तर में काम करने की जिम्मेदारी आई, कश्मीर में काम करने की ज़िम्मेदारी आई, सीआरपीएफ के जवानों ने हर आवश्यकता के अनुसार अपने आप को ढालकर हर अपेक्षा को पूरा करने का काम बखूबी किया और हर मोर्चे पर सीआरपीएफ की विजय पताका को गौरव के साथ आसमान तक ऊंचा किया है। उन्होंने कहा, कई लोगों को यह बात अतिशयोक्ति लग सकती है लेकिन वो इसे वास्तविकता मानते हैं कि सीआरपीएफ के बगैर देश की आंतरिक सुरक्षा की कल्पना हो ही नहीं सकती। उन्हें और पूरे देश को सीआरपीएफ के जवानों के त्याग, बलिदान और समर्पण पर गर्व है और देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है। देश का विकास और पांच ट्रिलियन डहलर वाली अर्थव्यवस्था बनना उनके समर्पण और महत्वपूर्ण योगदान के बिना संभव नहीं है। शाह ने कहा कि इस प्रशिक्षण संस्थान में नागरिक से रक्षक बनने का काम होता है और आमजन से देशभक्त और सशस्त्र सेनानी बनाने का और यहीं से आप अपने जीवन को अनुशासन में ढालने की शुरूआत करते हैं। उन्होंने सीआरपीएफ के 2000 से ज्यादा जवानों के बलिदान को याद करते हुए कहा, 'उनके इसी बलिदान के कारण आज हमारा देश सुरक्षित है। वर्ष 1959 में भारत -चीन की सीमा से सटा हॉटस्प्रिंग हो या सरदार चौकी हो, भुज हो, हर जगह पर सबसे पहले दुश्मन को चुनौती देने का काम सीआरपीएफ ने किया है। अमित शाह ने कहा कि जब आजादी के बाद देश आगे बढ़ता गया और हमारी यात्रा

आगे बढ़ती गई, और सीआरपीएफ के काम में तब से आज तक आमूल-चूल परिवर्तन आया है और सीआरपीएफ ने हर परिवर्तन को बहुत ही सहज तरीके से आत्मसात करके अपने आप को नए खाके में ढाला है।

किसान यूनियन भानू गुट के अध्यक्ष भानुप्रताप ने राकेश टिकैत को बताया ठग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए कृषि कानूनों को एक वर्ष पूरा हो चुका है। इन कानूनों को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर महीनों से जारी किसानों के आंदोलन अब भी जारी है। किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत को बीकेयू राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने ठग बताया है। इसके साथ हो उन्होंने दावा किया है कि किसान आंदोलन का संचालन कांग्रेस की फंडिंग से हो रहा है। BKU के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने शनिवार को अपना बयान देते हुए कहा, राकेश टिकैत बिना ठगे कोई काम नहीं करते। किसान आंदोलन कांग्रेस की फंडिंग से चल रहा है। वहां काजू, बादाम, पिस्ता, किशमिश और शराब की बोतल मिल रही है। असली

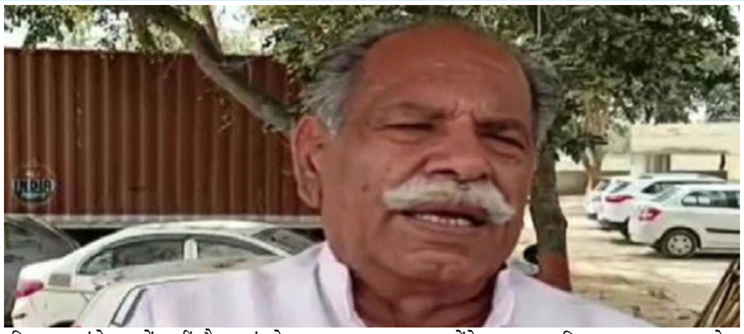

किसान आंदोलन में नहीं है, वहां केवल शराब पीने वाले और नोट लेने वाले हैं। इससे पहले भी भानु प्रताप सिंह राकेश टिकैत पर कई बार हमला बोल चुके हैं उन्होंने टिकैत पर दिल्ली बॉर्डर पर आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि उनका व्यवहार नेता जैसा न रहकर अब आतंकियों जैसा हो गया है। किसी की जमीन पर कब्जा कर या मारपीट करना किसानों का काम नहीं हैं। गौरतलब है कि नवंबर महीने में किसान आंदोलन को एक वर्ष पूरा होने वाला है। मोदी सरकार द्वारा लाए गए कृषि सुधार अध्यादेश को 17 सितंबर को पास कर दिया गए थे। कृषि कानून के पास होते ही देश के विभिन्न राज्यों में उनके खिलाफ सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। 25 नवंबर को किसानों ने दिल्ली की ओर कूच किया। लेकिन सीमाओं पर ही उन्हें रोक दिया गया। तब से लेकर अब तक किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे हुए है। इस दौरान किसान संगठनों और सरकार के बीच लगभग 11 बार बातचीत हुई, जिसका कोई परिणाम सामने नहीं आया। किसान इन कानूनों को रद्द करने की मांग पर अड़े हैं, वहीं सरकार ने साफ़ किया है कि वह किसी भी परिस्थिति में इन कानूनों को रद्द नहीं करेगी, अगर किसान राज़ी हो तो संशोधन संभव है।

नेता प्रतिपक्ष राजस्थान का गंभीर आरोप, मेवात बन रहा है मिनी पाकिस्तान, विधानसभा में हंगामा

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में बुधवार को बीजेपी ने जमकर हंगामा किया। सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष मदन दिलावर ने मेवात को 'मिनी पाकिस्तान' कहकर बुलाया। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान का मेवात क्षेत्र मिनी पाकिस्तान बनता जा रहा है, यहां पर हिन्दुओं को डराया-धमकाया जा रहा है।

बीजेपी नेता ने विधानसभा में धर्म परिवर्तन और बलात्कार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ष्मेवात क्षेत्र में खतरा बढ़ रहा है। गहलोत सरकार की अयोग्यता के कारण महिलाओं के खिलाफ बलात्कार और अत्याचार के कई मामले सामने आ रहे हैं।' उन्होंने दावा किया, 'मुसलमान हिंदू लड़कियों को धोखा देते हैं, उन्हें भागने के लिए मजबूर करते हैं और फिर उनका धर्म परिवर्तन करते हैं।ष नितिन गडकरी का राजनेताओं पर तंज, कहा- हर राजनेता दुखी है चाहे वह विधायक हो या मुख्यमंत्री

दिलावर के इन प्रश्नो के जवाब में राजस्थान कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, 'आप (बीजेपी) केवल हिंदू-मुस्लिम राजनीति करना जानते हैं। इस वजह से आपको एक वोट नहीं मिलेगा।' इन मुद्दों को लेकर बीजेपी विधायकों ने विधानसभा में जमकर बवाल किया।

गौरतलब है कि हाल ही में मेवात जिले से लालच देकर धर्मांतरण कराने के दो मामले दर्ज हुए हैं। इन मामलों में तीन मौलाना और दो अन्य व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज किया गया। धर्म परिवर्तन के मामले सामने आने के बाद हिन्दू संगठनों ने जमकर विरोध किया था।

मुल्ला बरादर और हक्कानी नेटवर्क के बीच विवाद, बरादर ने काबुल छोड़ा

काबुल । अफगानिस्तान में तालिबान की नई सरकार को अभी ज्यादा समय नहीं बीता है, लेकिन अभी से तालिबान शासन में विवाद की खबरें सामने आने लगी है। पिछले हफ्ते अफगानिस्तान में समूह की नई सरकार बनाने को लेकर तालिबान के नेताओं के बीच एक बड़ा विवाद छिड़ गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह के सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर और एक कैबिनेट सदस्य के बीच राष्ट्रपति भवन में बहस हुई। हाल के दिनों में बरादर के गायब होने के बाद से तालिबान के नेतृत्व में असहमति की अपुष्ट खबरें आई हैं। तालिबान के एक सूत्र ने बताया कि बरादर और खलील उर-रहमान हक्कानी(शरणार्थियों के मंत्री और आतंकवादी हक्कानी नेटवर्क के भीतर एक प्रमुख व्यक्ति) के बीच तीखी बहस हुई, क्योंकि उनके अनुयायी एक-दूसरे के साथ विवाद कर रहे थे। तालिबान के सूत्रों ने बताया कि बरादर ने काबुल छोड़ दिया और विवाद के बाद कंधार शहर भाग गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कतर में स्थित तालिबान के एक वरिष्ठ सदस्य और इसमें शामिल लोगों से जुड़े एक व्यक्ति ने भी पुष्टि की कि पिछले सप्ताह के अंत में एक बहस हुई थी। सूत्रों ने कहा कि बहस इसलिए छिड़ गई क्योंकि नए उप प्रधानमंत्री बरादर अपनी अंतरिम सरकार के ढांचे से नाखुश थे। यह कहा गया है कि यह विवाद इस बात से उपजा है कि तालिबान में से किसे अफगानिस्तान में अपनी जीत का श्रेय लेना चाहिए। बरादर कथित तौर पर मानता है कि कूटनीति पर जोर दिया जाना चाहिए, जबकि हक्कानी समूह के सदस्य और उनके समर्थकों का कहना है कि जीत लड़ाई के माध्यम से हासिल किया गया था। इस बीच, शक्तिशाली हक्कानी नेटवर्क हाल के वर्षों में अफगानिस्तान में अफगान बलों और उनके पश्चिमी सहयोगियों के खिलाफ हुए कुछ सबसे हिंसक हमलों से जुड़ा है। समूह को अमेरिका द्वारा एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया है। इसके नेता सिराजुद्दीन हक्कानी नई सरकार में गृह मंत्री हैं।

पुण्य तिथि 22 सितंबर पर विशेष : गुरुनानक देव ने बदला सामाजिक ताना-बाना

सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 22 सितंबर को पुण्य तिथि है। नानक जी का जन्म पाकिस्तान (पंजाब) में रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी गांव में कार्तिक पूर्णिमा के दिन 1469 में हुआ था। इस दिन को सिख धर्म में काफी उल्लास के साथ मनाया जाता है। इनका जन्म पिता कल्याण या मेहता कालू जी और मां तृप्ती देवी के घर हुआ। नानक जी ने हिंदू परिवार में जन्म लिया था।

सिख धर्म में मान्यता है कि बचपन से ही नानक देव जी विशेष शक्तियों के धनी थे। उन्हें अपनी बहन नानकी से काफी कुछ सीखने को मिला। 16 वर्ष की आयु में ही इनकी शादी सुलक्खनी से हो गई। सुलक्खनी पंजाब के (भारत) गुरदासपुर जिले के लाखौकी की रहने वाली थीं। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मी चंद थे। इन दोनों बच्चों के जन्म के कुछ समय बाद ही नानक जी तीर्थयात्रा पर निकल गए। उन्होंने काफी लंबी यात्राएं की। इस यात्रा में उनके साथ मरदाना, लहना, बाला और रामदास भी गए। 1521 तक उन्होंने यात्राएं की। इस यात्रा के दौरान वे सबको उपदेश देते और

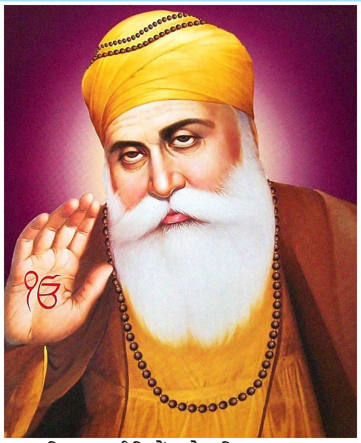

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरुक करते थे। उन्होंने भारत, अफगानिस्तान और अरब के कई स्थानों का भ्रमण किया। इन यात्राओं को पंजाबी में ष्उदासियाँ कहा जाता है।

गुरु नानक जी ने अपनी यात्राओं के दौरान कई जगह डेरा जमाया। उन्होंने समाजिक कुरितियों का विरोध किया। उन्होंने मूर्ति पूजा को निरर्थक माना और रूढ़िवादी सोच का विरोध किया। उन्होंने अपने जीवन का आखिरी समय पाकिस्तान के करतारपुर में बिताया। करतापुर सिखों का पवित्र धार्मिक स्थल है, यहीं 22 सितंबर,1539 को गुरु नानक जी ने आखिरी सांस ली। गुरुनानक देव अपने पीछे सिख धर्म के अनुयायियों के लिए अपने जीवन के तीन मूल सिद्धांत नाम जपो, कीरत करो और वंडा चखो बता गए।

करतारपुर में गुरु नानक देव जी की दिव्य ज्योति जोत में समा गई। उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले अपने शिष्य भाई लहना को उत्तराधिकारी बनाया, जो आगे चलकर गुरु अंगद देव कहलाए। वे सिखों के दूसरे गुरु माने जाते हैं।

परमात्मा ने पिलाया अमृत

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेईं नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की भी यात्राएं कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहीं रहे।

गुरु के लंगर की शुरुआत

गुरु नानक देवजी ने जातपांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे बड़े, अमीर गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है।

गुरु नानक जी के उपदेश

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। मूर्ति पूजा आदि निरर्थक है। नाम स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो इस प्रकार हैं

1. ईश्वर एक है।
2. सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
3. ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है।
4. ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
5. ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए।
6. बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं।
7. सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए।
8. मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
9. सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
10. भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।

विना सरकार के संरक्षण के कोई पद्धति नही पनप सकती - डा कप्तान सिंह

■ प्राचीन काल मे शल्य प्रक्रिया बहुत उन्नति कोटि की थी ■ सुश्रुत के सभी 100 चिकत्सा यंत्रों का प्रयोग कर रही आधुनिक चिकत्सा पद्धति

औरैया । आखिर क्यों पिछड़ गया भारत में ही आयुर्वेद का दुर्लभ ज्ञान जबकि प्राचीन भारत में आयुर्वेद ने विश्व को दिया था दिव्य चिकित्सा ज्ञान इसको लेकर तेजस मीडिया ग्रुप के एडिटर मुनीष त्रिपाठी ने मशहूर आयुष विशेषज्ञ एवम् क्षेत्रीयआयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा अधिकारी डा कप्तान सिंह पाल से गहनता से बातचीत की और जानने की कोशिश कि आखिर इसके पीछे क्या वजह हैं और क्यों नहीं आयुष को वह स्थान मिल सका जो आधुनिक चिकत्सा पद्धति को हासिल है ।

सवाल तेजस : प्राचीन काल में आयुर्वेद को भारत में उत्कृष्ट स्थान हासिल था आज पराभाव है इसके पीछे कारण क्या है ?

कप्तान सिंह : आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में महर्षि चरक को और सुश्रुत को शल्य चिकत्सा का विश्व में जनक माना जाता था इसको जानने के लिए हमें कुछ काल पीछे जाना पड़ेगा तो पाएंगे कि आयुर्वेद में गिरावट ब्रिटिश शासन काल में आई आयुर्वेद को ब्रिटिश सरकार ने अवैज्ञानिक घोषित कर दिया और इसे लोगों की केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा माना कि यह कोई विज्ञान नहीं है। जब भारत आयुर्वेद का विश्व गुरु था 1878 कोलकत्ता में पहला मेडिकल कालेज खोला गया था लेकिन 1935 में ब्रिटिश हुकूमत ने इसे बंद कर दिया । 43 वर्ष तक देश में आयुर्वेद का पूरी तरह से पराभाव रहा । ज्यादातर आयुर्वेदिक मेडिकल शिक्षा संस्थान बंद कर दिये गए सभी संस्थान एलोपैथी को दे दिए गए । हालाकि इस बीच तेलगु के वैद्य राज गोपाला चार्य जी ने एक आयुर्वेद का औषधालय खोला ।

तेजस : क्या आप मानते है कि आजाद भारत में भी आयुष के विकास के लिए समुचित ध्यान नहीं दिया ?

कप्तान सिंह: संस्थागत आयुर्वेद के विकास की बात की जाए तो सरकारों ने समुचित ध्यान नहीं दिया यहां तक कि 1947 में आयुर्वेद को एलोपैथी के साथ जोड़कर आगे बढ़ाया गया । हालाकि 1907 में अखिल भारतीय आयुर्वेद कांग्रेस की स्थापना हुई जरूर लेकिन सरकार का अपेक्षित सहयोग न मिलने से परिणाम निराशाजनक रहे । 67 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद आखिर 2014 में सरकार ने आयुष मंत्रालय का गठन किया जिसके बाद आयुर्वेद ने अपने को स्थापित करते हुए बहुत अच्छे परिणाम दिए करोना काल के दौरान इसकी भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण रही यह बात तय है कि जब तक किसी भी पद्धति को सरकार का संरक्षण नहीं होगा तब तक वह पनप नहीं सकती?

तेजस : वर्तमान परिस्थितियों में क्या इसको और खोज की आवश्यकता है जबकि अन्य विधाओं में निरंतर खोज जारी है ?

कप्तान सिंह : जब कोई चीज अधिक गिरावट में आ जाती है तो उसके निरंतर खोज की आवश्यकता होती है आपको बताना चाहेंगे कि आयुर्वेद में शल्य चिकित्सा के तमाम सूत्र विद्यमान है जिसमें कुछ सूत्र है जिसमे क्षात सूत्र प्रमुख है जिसमे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में औषधियों का लोपन करके धागे का रोपण कर उपचार करते जिसमे भगंदर जैसी बीमारियों का सफल अहपरेशन किया जाता है । आपको बता दें कि शल्य चिकित्सा की दुनिया में जानी-मानी आधुनिक पुस्तक लव वैली में भी क्षात सूत्र का वर्णन प्रमुखता से किया गया है। क्षात सूत्र से हम कई रोगों का उपचार कर सकते हैं?

तेजस : शल्य चिकित्सा का रूप कितना व्यापक है कि उसमें हृदय मस्तिष्क जैसे बीमारियों का अहपरेशन होता है आज की आयुर्वेदिक चिकित्सा में संभव नहीं है लेकिन हड़प्पा काल में लोथल से बच्चों के शव पाए गए उनमें बच्चो के सिरों में शल्य चिकित्सा के साक्ष्य मिले हैं जो ये साबित करता है कि उस काल में शल्य चिकित्सा का प्रभाव आयुर्वेद में कितना व्यापक था।

कप्तान सिंह : दरअसल आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा का बहुत लंबे समय तक पराभाव रहा जिसके चलते हैं आयुर्वेद शल्य चिकित्सा पिछड़ गई यह बताना भी जरूरी है कि आयुर्वेद के जनक कहे जाने वाले शल्य चि. कत्सक सुश्रुत जिन 100 यंत्रों का प्रयोग करते थे आज वही यंत्र आधुनिक चिकित्सा पद्धति में प्रयोग किए जा रहे हैं शल्य चिकित्सा पद्धति कोई नई चिकित्सा नहीं है। बहुत पहले आयुष ने तमाम ऑपरेशन किए हैं हाल ही में सरकार ने आयुष सर्जन की डिग्री हासिल चिकित्सकों को सीमित ऑपरेशन करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है?

तेजस : धातुओं से उपचार की विद्या थी क्या कारण है ये विधा लुप्त होती जा रही है ?

कप्तान सिंह : धातुओं का प्रयोग आयुर्वेद में हमेशा से होता रहा है आज भी लोग जीवन शैली में प्रयोग करते हैं। जैसे पीतल का लोटा पीतल की थाली तांबे के बर्तन आदि इसके अलावा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में स्वर्ण भस्म लौह भस्म सहित तमाम का प्रयोग किया जाता है।

तेजस : एलोपैथिक जिस गति से आगे बढ़ रही है उस हिसाब से आयुर्वेद में क्या ऐसा कुछ है जिन बीमारियों का उपचार एलोपैथिक में न हो रहा हो और आयुर्वेद में संभव हो ?

कप्तान सिंह : एलोपैथिक औषधियां के तमाम साइड इफेक्ट होते हैं जबकि आयुर्वेद में ऐसा कुछ नहीं होता हैअब लोगों में आयुर्वेद के प्रति धारणा बदलने लगी है और उनका रुझान आयुर्वेदिक प्रति बढ़ रहा है यह भी बताना चाहूंगा कि तमाम ऐसी असाध्य बीमारियां है जिनका एलोपैथिक उपचार सुचारू रूप से नहीं है जैसे कि मानसिक टी वी का उपचार आयुर्वेद में पूरी तरह से संभव है ।

तेजस : क्या दोनों पद्धतियों का समन्वय स्थापित करके कोई पद्धति बन सकती है क्या भारत सरकार इस ओर कोई कार्य कर रही है।

कप्तान सिंह :आने वाली 10 वर्षो में आयुर्वेद विश्व में अपना अलग स्थान ग्रहण करेगा वर्ष 2005 में बाबा रामदेव ने योग शुरू किया था और आज 21 जून को पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जाता है। यह आयुर्वेद की बड़ी उपलब्धि है।

तेजस : संभावना जताई जा रही है एक बार फिर से करोना कि थर्डवेव आ सकती है हालांकि अभी यह तय नहीं है फिर भी इस पर आपका क्या कहना है और लोगों को इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?

कप्तान सिंह : आयुर्वेद के अनुसार स्वस्थ्य व्यक्ति के शरीर को स्वस्थ कैसे रखा जाए और बीमारियों से कैसे बचा जाए। इसके लिए ऋतु परिवर्तन के साथ साथ खानपान को संतुलित रखना होगा योग को अवश्य करें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना होगा । प्रकृति के अनुरूप कार्य करने होंगे खासकर करोना से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क का सदैव प्रयोग करें हाथों को नियमित धोएं संतुलित आहार लें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक : प्रदीप कुमार मिश्र, वैदिकी ग्राफिक्स (ऑफसेट) एनटीपीसी रोड, दिबियापुर (औरैया) से मुद्रित एवं औरैया रोड दिबियापुर जनपद (औरैया) से प्रकाशित
संपादक- मुनीष त्रिपाठी, प्रधान कार्यालयः औरैया रोड दिबियापुर, जिला औरैया-206244, लखनऊ कार्यालयः 645A/162C, मड़ियांव गांव रोड, प्रभात चौराहा, जानकीपुरम-1, लखनऊ उ.प्र.206021
Website: www.tejaskhabar.com, E-mail: news@tejaskhabar.com, Phone: +91 7536005533 * आर.एन.आइ.नं-UPHIN/2020/79406 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र औरैया न्यायालय होगा।

‘खो गए हम कहां’ में अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड अभिनेता-फिल्मकार फरहान अख्तर ने हाल हीमें अपनी एक नई फिल्म ‘खो गए हम कहां’ की अनाउंसमेंट की है। इस फिल्म में अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को फरहान अख्तर के अलावा जोया अख्तर और रीमा कागती भी प्रोड्यूस कर रही हैं। अर्जुन वरैन सिंह फिल्म निर्देशित करेंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म बांबे शहर में तीन दोस्तों की कहानी है। अनन्या पांडे ने फिल्म का पहला पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा, ‘अपने दोस्तों खोजों और आपको फालोअर्स की जरूरत नहीं पड़ेगी।”

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगे रणबीर कपूर!

मुंबई। बॉलीवुड में चर्चा है कि रणबीर कपूर जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि वह इरोज नाउ के साथ काम करेंगे, जिसका टाइटल ‘ऐसा वैसा प्यार’ होने वाला है। इस फिल्म में चार अलग-अलग तरह की लव स्टोरीज दिखायी जायेगी। यदि सबकुछ सही रहा तो रणबीर इस फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। रणबीर, आलिया भट्ट के साथ फिल्म ब्रह्मास्त्र में जल्द नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ महानायक अमिताभ बच्चन भी हैं। इसके अलावा रणबीर कपूर श्रद्धा कपूर के साथ लव रंजन की फिल्म में भी नजर आएंगे।

शाहरुख खान के साथ काम करेंगी तापसी पन्नू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू किंग खान शाहरुख खान के साथ काम करती नजर आ सकती हैं यह फिल्म मई 2022 तक फ्लोर पर आएगी। शाहरुख खान जल्द ही राजकुमार हिरानी की अपकमिंग फिल्म में नजर आने वाले हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में उनकी जोड़ी तापसी पन्नू के साथ नजर आएगी। फिल्म की स्क्रिप्ट को लहक कर दिया गया है और यह फिल्म मई 2022 तक फ्लोर पर आएगी। फिल्म की स्क्रिप्ट राजू हिरानी के साथ राइटर अभिजात जोशी और कनिका ढिल्लों ने लिखा है। फिल्म में पहली बार तापसी पन्नू और शाहरुख की जोड़ी साथ में दिखेगी। बताया जा रहा है राजकुमार हिरानी की कॉमेडी- इमोशनल ड्रामा इस फिल्म में शाहरुख खान एक ऐसे ही पंजाबी शख्स का रोल करने वाले हैं, जो ‘डंकी फ्लाइट’ की मदद से कनाडा जाने की कोशिश में है।

आजकल जमकर पसीना बहा रहीं जाह्नवी कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। जाह्नवी अपनी फिटनेस का सीक्रेट अपने फैंस के साथ साझा करती रहतीं हैं। जाह्नवी अपना वर्कआउट सेशन, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर कर लोगों को इंस्पायर करती रहतीं हैं। अब उन्होंने एक बार फिर जिम में मेहनत करते हुए अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर हुईं इन तस्वीरों में जाह्नवी कपूर जिम में कड़ी मेहनत करती और पसीना बहाती नजर आ रहीं हैं। जाह्नवी ने जिम से दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वह सिंगल लेग स्ट्रेच कर एक्सरसाइज करती दिख रहीं हैं, वहीं दूसरी पिक्चर में हैंड स्ट्रेच कर एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। इस फोटोज को शेयर करते हुए जाह्वनी ने कुछ इमोजी का सहारा लिया है।

पाकिस्तानी जासूसी एजेंट का किरदार निभाएंग इमरान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म ‘टाइगर 3’ के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इमरान हाशमी इन दिनों फिल्म ‘टाइगर 3’ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए इमरान काफी मेहनत कर रहे हैं। इमरान ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनकी बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देखने लायक है।

इमरान ने वीडियो के कैशन में लिखा, “डियर फैट, मरने के लिए तैयार हो जाओ।” बताया जा रहा है कि इमरान ‘टाइगर 3’ में पाकिस्तानी जासूसी एजेंट के किरदार में नजर आएंगे। गौरतलब है कि ‘यशराज’ के बैनर तले बन रही फिल्म टाइगर 3 में सलमान खान और कैटरीना कैफ की अहम भूमिका है। मनीष शर्मा इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म ‘टाइगर 3’ वर्ष 2012 में प्रदर्शित एक था टाइगर संस्करण की तीसरी कड़ी है। टाइगर 3 वर्ष 2022 में रिलीज हो सकती है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म में फिर काम करेंगी तब्बू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू फिल्मकार विशाल भारद्वाज की फिल्म में फिर काम करती नजर आ सकती हैं। तब्बू इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘भूल भुलैया 2’ की शूटिंग में व्यस्त हैं। विशाल भारद्वाज ने अपनी आने वाली फिल्म में तब्बू को कास्ट कर लिया है। तब्बू की यह विशाल के साथ तीसरी फिल्म होगी। उन्होंने इससे पहले विशाल के साथ ‘मकबूल’ और ‘हैदर’ में साथ काम किया था। बताया जा रहा है कि यह एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फिल्म की कहानी सुनते ही तब्बू इस फिल्म में काम करने के लिए तैयार हो गईं। इस फिल्म में तब्बू के साथ अली फजल को भी साइन कर लिया गया है। इस फिल्म की कहानी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग से जुड़ी हुई है। फिल्ममेकर ने मसूरी लोकेशन को शूटिंग के लिए फाइनल भी कर लिया है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

न्यूजीलैंड के बाद इंग्लैंड ने भी रद्द किया पाकिस्तान का दौरा

लंदन। इंग्लैंड पुरुष एवं महिला क्रिकेट टीम के अगले महीने निर्धारित पाकिस्तान दौरे को रद्द कर दिया गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की है। इससे तीन दिन पहले न्यूजीलैंड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम का पाकिस्तान दौरा रद्द किया था।

ईसीबी ने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के शारीरिक और मानसिक हित को प्राथमिकता का हवाला देते हुए दौरे को रद्द करने की बात कही है जो दौरों पर कोरोना के बायो-बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) से बहुत तनाव में हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा, “इस साल की शुरुआत में हम अक्टूबर में पाकिस्तान में दो अतिरिक्त टी-20 विश्व कप अभ्यास मैच खेलने के लिए सहमत हुए थे, जिसमें पुरुषों के मैचों के साथ-साथ डबल हेडर मुकाबलों के साथ महिलाओं का एक छोटा दौरा भी शामिल था, लेकिन ईसीबी ने इस हफ्ते के अंत में पाकिस्तान में इन अतिरिक्त मैचों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाई थी, जिसके बाद हमने अनिच्छा से दोनों टीमों के इस दौरे को रद्द करने का फैसला लिया है। ”

उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड के फैसले के बाद ही इंग्लैंड दौरे पर संदेह खड़ा हो गया था और इस सप्ताहांत हुई बोर्ड की बैठक में ईसीबी को पाकिस्तान का दौरा रद्द करने के निष्कर्ष पर आना ही पड़ा।

घरेलू क्रिकेटरों को ज्यादा मैच फीस देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) कोरोना महामारी के कारण रद्द हुए 2020-21 रंजी ट्रॉफी और सीनियर महिला टी-20 सत्र के लिए घरेलू क्रिकेटरों को मुआवजे के तौर पर 50 प्रतिशत मैच फीस देगा। इसके अलावा अब घरेलू क्रिकेटरों को प्रत्येक मैच के लिए पहले से ज्यादा मैच फीस मिलेगी।

बीसीसीआई ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई अपनी नौवीं एपेक्स काउंसिल की बैठक में ये फैसले लिए हैं। इसके तहत बीसीसीआई के 2019-20 घरेलू क्रिकेट सत्र में भाग लेने वाले क्रिकेटरों को कोरोना के कारण रद्द हुए 2020-21 सीजन के मुआवजे के तौर पर 50 फीसदी मैच फीस का भुगतान किया जाएगा। वहीं 20 मैच तक प्लेइंग इलेवन (एकादश) में रहने वाले सीनियर पुरुष घरेलू क्रिकेटरों को अब प्रत्येक मैच के लिए 40 हजार रुपए फीस दी जाएगी, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 20 हजार रुपए मिलेंगे। 21 से 40 मैचों के लिए एकादश और रिजर्व खिलाड़ियों को क्रमश: 50 हजार और 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। 40 से ऊपर मैच खेलने की स्थिति में क्रमश: 60 हजार और 30 हजार फीस दी जाएगी। इससे पहले 20 मैचों तक एकादश में खेलने वाले खिलाड़ियों को 35 हजार और रिजर्व खिलाड़ियों को 17500 रुपए दिए जाते थे। इसी तरह अंडर-23 , अंडर-19 और अंडर-16 श्रेणियों में भी अब पहले से ज्यादा मैच फीस मिलेगी। सीनियर महिला घरेलू क्रिकेटरों की बात करें तो पहले एकादश में खेलने वाली सीनियर खिलाड़ियों को 12500 रुपए मैच फीस दी जाती थी, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 6250 रुपए मिलते थे, जिसे अब बढ़ा कर क्रमश: 20 हजार और 10 हजार रुपए कर दिया गया है। इसी तरह अंडर-23 , अंडर-19 और अंडर-16 महिला घरेलू खिलाड़ियों की भी मैच फीस बढ़ाई गई है।

ड्रोन हमले रोकने के लिए गृह मंत्रालय ने जारी किए सभी बलों के लिए निर्देश

नई तकनीक के आने तक पंप एक्शन गन से रबड़ की गोलियों से की जाए सुरक्षा

नई दिल्ली । देश के सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों और अपने शिविरों की पहरेदारी करने वाले सुरक्षा बलों को निर्देश दिया गया है कि जब तक उपयुक्त तकनीक नहीं मिल जाती है, तब तक ड्रोन को नष्ट करने के लिए 'पंप एक्शन गन' से रबड़ की गोलियों का इस्तेमाल किया जाए। इसके अलावा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसे बलों ने हाल में पाकिस्तान से लगी सीमा के पास लाइट मशीन गन (एलएमजी) अवलोकन चौकी बनाई है, ताकि सभी क्षेत्रों में नजर रखी जा सके और ड्रोन या मानव रहित वायुयान को नष्ट किया जा सके। ड्रोन के खतरे का मुकाबला करने के लिए केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तैयार किए गए एक नवीनतम रूपरेखा की समीक्षा की गई है और यह सुरक्षा बलों को पीएजी (पंप एक्शन गन) का उपयोग करने का निर्देश देता है, जो ''किसी भी कम उड़ान वाले यूएवी को बेअसर करने'' के लिए शस्त्रागार में पहले से उपलब्ध हैं। निर्देश के बाद आंतरिक सुरक्षा के लिए तैनात केंद्रीय बलों ने ड्रोन खतरों के प्रति संवेदनशील अपनी इकाइयों को पीएजी आवंटित करना शुरू कर दिया है, जिसमें नक्सल रोधी अभियानों के लिए तैनात किए गए कर्मी भी शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''जब तक ड्रोन हमले को प्रभावी ढंग से जांचने और बेअसर करने के लिए एक पूर्ण प्रौद्योगिकी समाधान नहीं मिल जाता तब तक सुरक्षा बलों को पीएजी का उपयोग करने के लिए कहा गया है जो उनके पास पहले से उपलब्ध है।'' अधिकारी ने कहा, ''जिनके पास पर्याप्त मात्रा में ये गैर-घातक हथियार नहीं है, उनसे इन्हें खरीदने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने कहा कि कश्मीर में आतंकवाद रोधी कार्यों के लिए तैनात सुरक्षा इकाइयों और हवाई अड्डे की रखवाली करने वालों से भी कहा गया है कि वे शिविरों की निगरानी और सुरक्षा के लिए तैनात अपने कर्मियों को ये हथियार मुहैया कराएं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक अधिकारी ने कहा, ''यह पाया गया है कि पीएजी द्वारा दागे गए रबड़ के छर्रे जमीन से लगभग 60-100 मीटर की दूरी से, बम गिराने या शिविर क्षेत्र की टोह लेने के प्रयास में निकले ड्रोन को नीचे गिरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) बिजली

और परमाणु क्षेत्र में कई हवाई अड्डों और प्रतिष्ठानों की रखवाली करता है, जहां या तो लोग सीमा के करीब रहते हैं या वाहनों की आवाजाही होती है। इसलिए घातक हथियार का उपयोग करने से बड़ी क्षति हो सकती है और लोग भी इससे घायल हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि इसलिए यह सलाह दी गई है कि यदि कम उड़ान वाले ड्रोन का पता लगता है तो उन्हें पीएजी का उपयोग करके मार गिराना चाहिए और वहां मौजूद लोगों को बड़े नुकसान से बचाया जाना चाहिए। एक अधिकारी ने कहा, ''केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और सीआईएसएफ जैसे विभिन्न सीएपीएफ के शिविर जोखिम वाले क्षेत्रों में हैं और इसलिए उन्हें अपने शिविरों को ड्रोन से बमबारी या टोह लेने की प्रक्रिया से बचाने के लिए 'पंप एक्शन गन' का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

सीडीएस बिपिन रावत ने कहा भारत रॉकेट फोर्स तैयार करने पर विचार कर रहा है

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) बिपिन रावत ने बुधवार को भारत की वायु शक्ति को मजबूत करने के लिए शुरू किये गए उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि देश 'रॉकेट फोर्स' तैयार करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की विभिन्न चुनौतियों और उत्तरी सीमा पर चीन के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत को रेखांकित किया।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रावत ने पाकिस्तान को चीन का 'प्रॉक्सी' करार दिया और कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में 'छद्म युद्ध' जारी रखेगा तथा यह पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में भी दिक्कतें पैदा करने की कोशिश कर रहा है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने उत्तरी सीमाओं पर चीन के आक्रामक रुख को रेखांकित करते हुए कहा, '' चाहे वह प्रत्यक्ष आक्रामकता हो या तकनीक के जरिए हो, हमें हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा और यह तैयारी तभी हो सकती है जब हम साथ काम करेंगे।''

भारत की वायु शक्ति को मज़बूत बनाने के कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '' हम रॉकेट

फोर्स तैयार करने की तरफ देख रहे हैं।'' हालांकि उन्होंने इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं अफगानिस्तान की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि किसी ने कभी ऐसा नहीं सोचा था कि तालिबान 'इतनी तेजी' से देश पर कब्जा कर लेगा। उन्होंने कहा कि यह तो समय ही बताएगा कि आगे क्या होगा। इस अवसर पर पूर्व रक्षा सचिव एनएन वोहरा ने चीन के साथ 1962 के युद्ध से संबंधित हेंडरसन ब्रूक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की अनुमति दिए जाने का आह्वान किया।

तालिबान के कैबिनेट में एक भी महिला नहीं, विश्व समुदाय ने की तीखी आलोचना

काबुल । तालिबान ने मंगलवार को उप मंत्रियों की एक सूची की जारी की, जिसमें किसी भी महिला का नाम शामिल नहीं है। इस महीने की शुरुआत में मंत्रियों के चयन के दौरान भी मंत्रिमंडल में किसी महिला को शामिल नहीं किया गया था। इसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक संवाददाता सम्मेलन में यह सूची पेश की। उप मंत्रियों की सूची से संकेत मिलता है कि तालिबान पर अंतरराष्ट्रीय आलोचना का कोई असर नहीं है और वे समावेशिता एवं महिलाओं के अधिकारों को कायम रखने के शुरुआती वादों के बावजूद अपने कट्टरवादी रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। बता दें कि कई अफगान महिलाओं ने

शिक्षा और काम के समान अधिकार की मांग करते हुए तालिबान की नीतियों के खिलाफ काबुल में विरोध प्रदर्शन किया। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से इसकी जानकारी मिली है। खामा न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि 17 सितंबर को पूर्व सरकार के महिला मामलों के मंत्रालय को बंद करने के जवाब में रविवार का विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने मनुष्यों के बहिष्कार में महिलाओं का बहिष्कार, हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी शक्ति का निष्कर्ष है और शिक्षा, कार्य और स्वतंत्रता विकास के रास्ते हैं जैसे नारे लगाए। मंत्रालय को बंद करने के संबंध में, तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने रविवार को कहा कि वे महिलाओं के लिए शरिया कानून के तहत एक शक्तिशाली और प्रभावी प्रशासन की स्थापना करेंगे, साथ ही यह भी कहा कि इसे मंत्रालय और उप नाम देने की कोई आवश्यकता नहीं है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, प्रवक्ता ने कहा था कि पूर्व मंत्रालय ने अफगान महिलाओं के जीवन की बेहतरी के लिए कुछ नहीं किया। मुजाहिद ने कहा कि मंत्रालय होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके मूल अधिकार नहीं दिए गए।

आतंकवाद, अफगानिस्तान का मुद्दा फोकस में रहेगा मोदी की अमेरिका यात्रा में

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बुधवार से शुरू हो रही चार दिवसीय अमेरिका की यात्रा में अफगानिस्तान एवं आतंकवाद का मुद्दा फोकस में होगा तथा 24 सितंबर को वाशिंगटन में भारत अमेरिका ऑस्ट्रेलिया एवं जापान की चतुष्कोणीय फ्रेमवर्क शिखर बैठक में भी यह मुद्दा छाया रहेगा। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने प्रधानमंत्री की यात्रा की जानकारी देने के लिए आज यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में

अफगानिस्तान एवं आतंकवाद का मुद्दा द्विपक्षीय बैठकों एवं क्वाड शिखर सम्मेलन में निश्चित रूप से प्रमुखता से शामिल होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता कब्जाने के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा होगी। हम कट्टरवाद, उग्रवाद, सीमापार आतंकवाद को नियंत्रित करने तथा वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने की जरूरत पर बात करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें अधिवेशन में भी इन मुद्दोंको प्रमुखता से उठाये जाने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान जितना हमारे लिये अहम मुद्दा है, उतना ही अहम अमेरिका के लिए भी है। उससे संबंधित सारे पहलुओं पर बात होगी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पिछले माह भारत की अध्यक्षता में पारित प्रस्ताव संख्या 2593 के क्रियान्वयन पर बात होगी जिसमें कहा गया है कि अफगानिस्तान की धरती को किसी अन्य देश के खिलाफ हमले या हमले की साजिश रचने में नहीं किया जाएगा। इसके लिए किसी देश या गैर सरकारी शक्तियों के खिलाफ निगरानी रखने एवं आतंकवाद निरोधक कदम उठाने को लेकर भारत एवं अमेरिका दोनों देश सैद्धांतिक रूप से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि भारत एवं अमेरिका के बीच वैश्विक रणनीतिक साझीदारी में अमेरिका में हाल में यात्रा संबंधी सहूलियतें प्रदान की हैं। छात्रों को वीसा जारी करने के बाद अब पेशेवरों को भी वीसा दिया जा रहा है। भारत में टीकाकरण 80 करोड़ से अधिक हो चुका है और भारत जल्द ही अपनी वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य पूरा कर लेगा।

विदेश सचिव ने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, वह स्वयं (श्री श्रृंगला) अन्य वरिष्ठ अधिकारी जाएंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही अमेरिका पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि श्री बिडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद श्री मोदी की उनसे यह पहली रूबरू मुलाकात होगी। हालांकि 2014 में उपराष्ट्रपति के रूप में श्री बिडेन ने श्री मोदी की पहली अमेरिका यात्रा पर उनके लिए भोज का आयोजन किया था। अमेरिका संसद के संयुक्त अधिवेशन में श्री मोदी के अभिभाषण के कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बिडेन ने ही की थी। उन्होंने कहा कि श्री मोदी अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से भी पहली बार मुलाकात करेंगे।

नारायणी मंडपम् शिव गैलेक्सी
राघव पेट्रोल पम्प, औरैया रोड, दिबियापुर, जिला औरैया
फोन : 9045056764, 9897794737
शादी - विवाह | तिलक समारोह | मीटिंग / सेमिनार
गोद भराई-वरीक्षा | मैरिज एनिवर्सिरी | बर्थ-डे पार्टी